



पेज-8

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

पंचकूला

शनिवार

24 अक्टूबर, 2026

वर्ष:25 अंक: 12।

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1 रुपया

मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई वार्ता के बाद बिजली कर्मचारी यूनियनों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की, बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य तत्काल शुरु होगा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार बिजली उपभोक्ताओं के हितों और बिजली कर्मचारियों के कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समानांतर बिजली लाइसेंस के मामले में सरकार का रुख शुरू से ही स्पष्ट रहा है और सरकार इस विषय पर बिजली कर्मचारी यूनियनों के साथ खड़ी है। कर्मचारी प्रतिनिधियों ने इसी भावना के तहत हड़ताल वापस लेने तथा तत्काल प्रभाव से बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए कर्मचारियों को काम पर लौटने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंचकूला में बिजली कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बैठक में समानांतर बिजली लाइसेंस के मुद्दे, कर्मचारियों की मांगों और हड़ताल के कारण प्रभावित बिजली आपूर्ति को बहाल करने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज, मुख्य



सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, बिजली विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती आशिमा ब्राड, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्री के मकरंद पांडुरंग, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक डॉ आदित्य दहिया, विशेष सचिव श्री विक्रम भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज पिछले कई दिनों से बिजली कर्मचारी यूनियनों के पदाधिकारियों के संपर्क में थे, ताकि इस मुद्दे का समाधान संवाद के

माध्यम से निकाला जा सके और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) द्वारा आदेश पारित किए जाने से पहले ही विधानसभा में ऊर्जा मंत्री ने अपना स्पष्ट रुख सामने रख दिया था कि सरकार समानांतर बिजली लाइसेंस के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बिजली क्षेत्र में निजीकरण के पक्ष में नहीं है।

उन्होंने कहा कि एचईआरसी एक स्वतंत्र

वैधानिक संस्था है, जो विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत गठित है और अपने अधिकार क्षेत्र में नियमानुसार निर्णय लेती है। आयोग के आदेश के बाद उत्पन्न स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने कानूनी और वैधानिक प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्युत अधिनियम की धारा 108 के तहत राज्य सरकार द्वारा आयोग को निर्देश जारी करने और अधिनियम की धारा 94 के तहत आयोग की न्यायिक शक्तियों के अंतर्गत संबंधित आदेश की समीक्षा के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की चिंताओं को गंभीरता से समझती है। सरकार का उद्देश्य बिजली व्यवस्था में जनहित की रक्षा करना, कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित रखना और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार और कर्मचारी यूनियनों के बीच आज सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकारात्मक बातचीत हुई है।

भारत-चीन सीमा पर शांति द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए जरूरी: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जब चीनी सेना

स्थापित गरत के तीर-तरीकों से अलग हटती है, तो सीमा क्षेत्रों की स्थिति समय-समय पर प्रभावित होती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लंबित मुद्दों को सुलझाने तथा गलतफहमी और किसी भी तरह की गलत गणना से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य तंत्रों का इस्तेमाल जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने बेहतर सीमा प्रबंधन के लिए एलएसी की समझ को बेहतर बनाने के तरीकों पर उचित क्षेत्रों में चर्चा करने पर भी सहमति जताई है। जायसवाल ने जोर देकर कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के अजरबैजान दौर



बताया कि जयशंकर ने शुक्रवार को बाकू में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

जायसवाल ने बताया कि विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति अलीयेव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की राष्ट्रपति की ओर से शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि जयशंकर ने इसके बाद अजरबैजान के विदेश मंत्री के साथ विस्तृत बातचीत की। यह वार्ता सकारात्मक रही, जिसमें दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई।

जायसवाल के मुताबिक, दोनों पक्षों ने राजनैतिक परामर्श को गहरा करने और व्यापारिक दौरों सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी यात्राओं के आदान-प्रदान पर सहमति जताई।

मोटी-मोटी

बातें

समानांतर बिजली लाइसेंस के विरोध में सरकार और कर्मचारी एकजुट: ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग द्वारा निजी कंपनी को समानांतर बिजली लाइसेंस देने संबंधी निर्णय का राज्य सरकार ने पहले दिन से ही विरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने इस संबंध में किसी निजी कंपनी से आवेदन आमंत्रित नहीं किए थे। हालांकि, विद्युत अधिनियम, 2003 में ऐसा प्रावधान है, जिसके तहत संबंधित कोई भी व्यक्ति आयोग के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। श्री विज आज यहां बिजली प्रतिनिधियों की बैठक के उपरांत मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस दिन से यह मामला सामने आया, उसी दिन से बिजली कर्मचारी संगठनों ने इसका विरोध किया और राज्य सरकार ने भी अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने विधानसभा में भी विस्तार से सरकार का रुख रखा था और अन्य राजनैतिक दलों से भी अपील की थी कि यदि वे इस मुद्दे पर सहमत हैं, तो आयोग के समक्ष अपना पक्ष रख सकते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार ने शुरूआत से ही इस निर्णय को चुनौती देने और इसके विरुद्ध कानूनी विकल्प अपनाने का रुख अपनाया है। आज बिजली कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बातचीत में सहमति बनी कि विद्युत अधिनियम की धारा 108 के तहत राज्य सरकार आयोग को आवश्यक निर्देश जारी कर सकती है। इसी के अनुरूप अधिकारियों को कार्रवाई तत्काल करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, अधिनियम की धारा 94 के तहत हम इसकी रिव्यू पिट्रीशन भी फाइल करने वाले हैं और इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

भारत और अजरबैजान के साझा हित शांति, प्रगति और समृद्धि को बढ़ावा देने लिए हैं: एस जयशंकर

बाकू। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अजरबैजान के साझा हित शांति, प्रगति और समृद्धि को बढ़ावा देने में हैं। उन्होंने आतंकवाद, संघर्ष और अस्थिरता को दोनों देशों का 'साझा दुश्मन' बताया। अजरबैजान की राजधानी



बाकू में विदेश मंत्री जेयहुम बैरामोव के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य देते हुए जयशंकर ने अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता खुलेगा। उन्होंने दोहराया कि भारत का स्पष्ट रुख है कि विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए किया

जाना चाहिए। जयशंकर ने कहा, "हम इस क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रहे हैं। हम पिछले साल अगस्त में अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इससे स्थायी शांति स्थापित होगी। भारत का स्पष्ट रुख है कि विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत में मध्य पूर्व, पश्चिम एशिया, यूरोप और यूरेशिया के घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। साथ ही, इन संघर्षों के वैश्विक प्रभावों का आकलन किया गया। उन्होंने कहा कि इन संघर्षों के कारण वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की अर्थव्यवस्थाओं के सामने खाद्य पदार्थों, ध्वन, उर्वरक और वित्त से जुड़ी बड़ी चुनौतियां पैदा हुई हैं।

तिब्बत में 7.0 तीव्रता का भूकंप, 16 की मौत, 339 मकान ढहे

बीजिंग– चीन के तिब्बत क्षेत्र में बुधस्पतिवार शाम 7.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 54 अन्य घायल हो गए तथा क्षेत्र के उत्तरी हिस्से में स्थित नागकू शहर में सैकड़ों मकान ढह गए।

सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

नागकू के मीडिया कार्यालय ने शहर के अधिकारियों के हवाले से बताया कि कम से कम 339 मकान और पशुओं के 20 बाड़े ढह गए हैं।

इसके बाद खोज एवं बचाव अभियान जारी है। बचाव कार्यों के लिए स्थानीय कस्बे के 1,600 से अधिक लोगों को तैनात किया गया।

क्षेत्र में रहत सामग्री भी पहुंचाई गई, जिसमें पहले से तैयार 1,000 आवासीय इकाइयों, लगभग 3,000 तंबू, तह किए जा सकने वाले बिस्तर, टॉच और सर्दियों के कपड़े शामिल हैं।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर 33 मिनट पर आया। इसका केंद्र तिब्बत के उत्तरी हिस्से में नागकू से 191 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में स्थित एक कम आबादी वाले लेकिन ऊंचाई वाले इलाके में जमीन से 18 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

चीन बॉर्डर पर आईटीबीपी की बड़ी तैयारी, सुरक्षा मजबूत करने के लिए बनाई ड्रोन प्लाटून और बंकर: डीजी

नयी दिल्ली– भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने चीन से लगती सीमा पर अपनी सभी सीमा इकाइयों में ड्रोन प्लाटून गठित की है। इसके अलावा, गलवान जैसी झड़पों से निपटने के लिए 'स्ट्राइक' नाम से एक नया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया गया है और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मद्देनजर सीमा पर बड़े पैमाने पर भूमिगत ढांचे बनाए जा रहे हैं। आईटीबीपी के महानिदेशक (डीजी) शत्रुजीत सिंह कपूर ने राजस्थान के अलवर स्थित बल के एक केंद्र में बृहस्पतिवार को जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि चीन से पारंपरिक युद्ध तरीकों से मुकाबला करने का दौर बीत चुका है, इसलिए बल अपने जवानों, हथियारों, वाहनों और सीमा चौकियों के आधुनिकीकरण में निवेश कर रहा है। वर्ष 1962 में गठित आईटीबीपी चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करती है।

हिमाचल में कर्मचारियों का डीए 50 फीसदी, पेंशनरों को भी एरियर की सौगात

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को रहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में पांच प्रतिशत बढ़ोतरी और लंबित पेंशन एरियर के भुगतान को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। वित्त विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का महंगाई भत्ता 45 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। बढ़े हुए डीए का भुगतान नवंबर में अक्टूबर के वेतन के साथ नकद किया जाएगा। इसके साथ ही, वर्ष 2016 से जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पारिवारिक पेंशनरों के बकाया भुगतान को लेकर भी नए निर्देश जारी किए गए हैं।

सरकार के फैसले के नियमित कर्मचारियों के साथ विभिन्न श्रेणियों के पेंशनरों को भी लाभ मिलेगा। वहीं, नियमित ग्रुप-डी कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान के तहत

देय एरियर में से 10 हजार रुपये नवंबर में नकद जारी किए जाएंगे।

तृतीय श्रेणी के पेंशनरों को मिलेगा पूरा एरियर

वित्त (पेंशन) विभाग के 23 सितंबर,



2026 को जारी कार्यालय जापन के अनुसार, एक जनवरी, 2016 से 31 जनवरी, 2022 के बीच सेवानिवृत्त तृतीय श्रेणी कर्मचारियों और पारिवारिक पेंशनरों को पेंशन एवं पारिवारिक के निर्देशी भी दिए हैं। विभाग ने पेंशन वितरण अधिकरणों और बैंकों को पात्र पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों का देय एरियर सितंबर 2026 की पेंशन के साथ जारी करने को कहा है, जिसका भुगतान अक्टूबर में किया जाना है। यदि किसी पेंशनर को पहले पेंशन के बकाया की शेष 30 प्रतिशत राशि जारी करने के आदेश दिए गए हैं। इस भुगतान

दिल्ली हाईकोर्ट ने आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका खारिज की, दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने शांति बनाए रखने के लिए 10000 रुपए के निजी मुचलके और एक जमानतदार देने संबंधी नोटिस को चुनौती दी थी। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल पीठ ने फिलहाल याचिका खारिज कर दी। हालांकि अदालत ने निर्देश दिया कि कार्यवाही में जिन दस्तावेजों और सामग्री का सहारा लिया गया है, उनकी प्रतियां नेहा बोरा को उपलब्ध कराई जाएं। हाईकोर्ट ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) को भी निर्देश दिया कि जांच पूरी होने के बाद कोई आदेश पारित करते समय आवश्यक सावधानी बरती जाए।

नेहा बोरा ने 17 अक्टूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा जारी उस नोटिस को चुनौती दी थी, जो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धाराओं 126 और 130 तथा धारा 135(3) के तहत जारी किया था। नोटिस में उनसे शांति बनाए रखने के लिए बांड भरने को कहा गया था। सुनवाई के दौरान नेहा बोरा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत को बताया कि 16 अक्टूबर की शाम मंडी हाउस पहुंचने के महज 10-15 मिनट बाद ही बोरा को हिरासत में ले लिया गया था।



किन्नौर में पहली बार दर्ज हुआ पैसिफिक गोल्डन प्लोवर, 3800 मीटर की ऊंचाई पर मिला दुर्लभ प्रवासी पक्षी

महेश नेगी रोनसेरू और हिमांशु चौधरी ने किया अवलोकन, किन्नौर की समृद्ध पक्षी विविधता और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण के लिए अहम उपलब्धि

हिन्द जनपथ

शिमला/किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला किन्नौर में पक्षी विविधता के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। जिले के कल्पा क्षेत्र में पहली बार पैसिफिक गोल्डन प्लोवर (Pluvialis fulva) की उपस्थिति दर्ज की गई है। 5 अक्टूबर, 2026 को समुद्र तल से लगभग 3,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक घास के मैदान में छोटी जनधारा के समीप इस प्रवासी पक्षी को देखा गया। पक्षी प्रेमियों और प्रकृतिविदों के इस अवलोकन को किन्नौर के पक्षी अभिलेखों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नेगी रोनसेरू और हिमांशु चौधरी ने पुणे से आए तीन पक्षी प्रेमियों चंद्रकांत भगवत, सुधाकर कुलकर्णी और श्रीराम टकले के साथ मिलकर किया। पक्षी की



शारीरिक बनावट और विशिष्ट लक्षणों के आधार पर इसकी पहचान पैसिफिक गोल्डन प्लोवर के रूप में की गई।

विशिष्ट शारीरिक लक्षणों से हुई पहचान पक्षी की पहचान के दौरान उसके पंखों, टांगों और शरीर के निचले हिस्से की बनावट का बारीकी से

निरीक्षण किया गया। इसके तृतीयक उड़ान पंख पूंछ के अंतिम सिर्रे तक पहुंच रहे थे और टांगें अपेक्षकृत लंबी दिखाई दे रही थीं। इसके अलावा, शरीर का निचला हिस्सा यूरोपीय गोल्डन प्लोवर (Pluvialis aprica-ia) की तुलना में कम सफेद था।

इसके कंधे के पंखों पर हल्के, गोलाकार पैटर्न और उथले कटाव भी दिखाई दिए, जबकि यूरोपीय गोल्डन प्लोवर में सामान्यतः अधिक स्पष्ट और नुकीले दांतेदार पैटर्न पाए जाते हैं। इन लक्षणों के आधार पर पक्षी की पहचान की गई।

पौंग बांध और लाहौल-स्पीति में भी मिल चुके हैं रिकॉर्ड

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में पैसिफिक गोल्डन प्लोवर के पूर्व रिकॉर्ड पौंग बांध क्षेत्र और लाहौल-स्पीति के ट्रांस-हिमालयी इलाकों से मिले हैं। मई 2026 में पौंग बांध क्षेत्र में डॉ. अभिनव चौधरी ने इस प्रजाति का उल्लेख किया था। हालांकि, किन्नौर जिले में इसका यह पहला अभिलेखित रिकॉर्ड बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने मनाली मैराथन के चौथे संस्करण के लिए टी-शर्ट का अनावरण किया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने आज मनाली मैराथन के चौथे संस्करण के लिए टी-शर्ट का अनावरण किया। जिला कुल्लू के मनाली में इस मैराथन का आयोजन मनाली मैराथन एवं हिमालयन एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। आयोजकों ने मुख्यमंत्री को इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया है। ग्रीन वॉरियर्स: यूथ इनिशिएटिव फॉर ए इंग प्री, फिट एण्ड क्लीन हिमाचल थीम पर इस मैराथन का आयोजन किया जा रहा है।

इस मैराथन में चुनौतीपूर्ण 100 किलोमीटर रोहतांग पास अल्ट्रा चैलेंज, 42 किलोमीटर फुल मैराथन, 21 किलोमीटर हाफ मैराथन तथा 10 और 5 किलोमीटर की मास रन श्रेणियों की दौड़ शामिल है। इस आयोजन का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले साहसिक खेलों, इको-टूरिज्म तथा साहसिक पर्यटन के लिए विश्वस्तरीय गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह मैराथन पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त हिमाचल के निर्माण के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।



न्यूज डायरी

भाजपा पांच गुटों में बंटी, अपने-सर्वे में भी पार्टी की स्थिति देखे नेतृत्व: सुक्खू

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू ने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि पार्टी प्रदेश में पांच गुटों में बंटी हुई है और इससे भाजपा के भीतर खींचतान बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की मौजूदा स्थिति को लेकर दिल्ली का नेतृत्व भी चिंतित है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा के अपने सर्वेक्षणों में भी पार्टी की स्थिति को लेकर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के 28 विधायकों में से 16 विधायक अगला चुनाव नहीं जीत पाएंगे और पार्टी पिछली बार की तुलना में कम सीटें हासिल करेगी।

मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के विभिन्न गुट अपने-अपने स्तर पर खुद को मजबूत करने में जुटे हैं। एक गुट जयराम ठाकुर को नेता प्रतिपक्ष के पद से हटाना चाहता है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर आए दिन बयान देते हैं, जिन पर वह ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहते।

बीबीएमबी मामले में हिमाचल को जीत की उम्मीद
मुख्यमंत्री ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से जुड़े मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले में फैसला सुनिश्चित रखा गया है और प्रदेश सरकार को उम्मीद है कि आने वाले समय में हिमाचल के पक्ष में निर्णय आएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने अधिकारों के लिए लगातार लड़ाई लड़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा और केंद्र सरकार की ओर से इस मामले में हलफनामे दाखिल करवाए गए हैं, जबकि पंजाब सरकार की ओर से अलग रुख अपनाया गया है।

रोहड़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष का जनता से आह्वान

रोहड़/शिमला: रोहड़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस

सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोला। जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं और मुख्यमंत्री केवल अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं, जबकि बेहिसाब कर्ज के कारण प्रदेश पर ऋण का बोझ बढ़कर 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विकास कार्यों पर पूरी तरह विराम लगाकर और जनहितकारी संस्थानों पर तालाबंदी करके सुक्खू सरकार अब पूरी तरह से ‘लॉक प्रिच’ और ‘लोनप्रिच’ बनकर रह गई है। कांग्रेस ने अपने कुप्रबंधन से इन चार वर्षों में हिमाचल प्रदेश को विकास के मामले में चार दशक पीछे धकेल दिया है और हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। मुख्यमंत्री अपनी छवि सुधारने और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये फूंक रहे हैं, लेकिन जनता ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया है, जिसका प्रमाण हाल ही में संपन्न पंचायत चुनाव हैं जहाँ प्रदेश सरकार की प्रशासनिक मशीनरी होने के बावजूद कांग्रेस अपने जनप्रतिनिधियों को नहीं जीता सकी। जिस नेता के नाम पर कांग्रेस लगातार रोहड़ का चुनाव जीतती रही, अब उन्हें भी भुला दिया गया। उनका नाम लेने से भी कांग्रेस की वर्तमान लीडरशिप परहेज कर रही है। जनसभा के उत्साह से साफ़ है कि अब रोहड़ के लोग भी कांग्रेस के नाम से परहेज करेंगे। आने वाले समय में रोहड़ू से भाजपा प्रचंड वोटों से जीतेगी।

एलजेपी रामविलास हिमाचल की सभी 68 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी प्रदेश की सभी 68 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करने के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। भाजपा के साथ संभावित गठबंधन और सीटों के बंटवारे पर अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। यह बात शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नितिन चौहान ने शिमला में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। नितिन चौहान ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य प्रदेश के सभी 12 जिलों में संगठन का विस्तार कर जमीनी स्तर पर अपनी उपस्थिति मजबूत करना है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देशानुसार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। वर्तमान में पार्टी करीब 1,200 सदस्य बना चुकी है। अगले डेढ़ महीने में सदस्यता बढ़ाकर सात से आठ हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को सक्रिय किया जा रहा है, ताकि पार्टी प्रदेश के जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा सके। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल में बेरोजगारी और नशे की समस्या गंभीर चिंता का विषय है। रोजगार के अभाव में युवाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं किसान, मजदूर और महिलाएं भी विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। पार्टी इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी और आम जनता की समस्याओं को सरकार तथा संबोधित मंचों के समक्ष रखेगी।

प्रदेश सरकार लोगों को घर-द्वार के समीप विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्यरत- डॉ. शांडिल

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मन्त्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को उनके घर-द्वार के समीप विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रही है। डॉ. शांडिल आज सोलन विधानसभा क्षेत्र के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सागरी में बहु विशेषज्ञता स्वास्थ्य एवं दिव्यांगता जांचशिविर का शुभारम्भ करने के उपरान्त उपस्थित जन समूह को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस- समृद्ध जन दिवस द्विमासिक (अक्टूबर से नवंबर) माह का शुभारंभ भी किया।

स्वास्थ्य मन्त्री ने इस अवसर पर जन समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को इनके समयबद्ध निपटारे के निर्देश दिए।

उन्होंने इस अवसर पर ममलोग में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि निर्माण के लिए भूमि कटाव के कारण बचाव के लिए शीघ्र अधोसंरचना निर्मित

की जाए तथा यह सुनिश्चित बनाया जाए कि इस भूमि के नीचे की और स्थापित निजी आवास सुरक्षित रहें।

डॉ. शांडिल ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार आधुनिक चिकित्सा सेवाओं तक प्रदेश वासियों की पहुंच सुनिश्चित बनाने और लोगों को उनके घर-द्वार के समीप समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों सहित जिला एवं अन्य चिकित्सा संस्थांनों में अधोसंरचना मजबूती की दिशा में कार्य कर रही है। आमजन के लिए रोजेक्टिस शल्य चिकित्सा उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने

राज्यपाल ने आधुनिक ज्ञान एवं नवाचार के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर दिया बल

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिकविरासत और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण के साथ-साथ युवा पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए आधुनिक ज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को अपनाने की आवश्यकता पर बलदिया।

राज्यपाल ने आज डलहौजी हिलटॉप स्कूल के वार्षिक समारोह ‘विरासत-2026’ को संबोधित करते हुए कहाकि विरासत का अर्थ पीढ़ी दर पीढ़ीमिले ज्ञान के साथ-साथ वर्तमान पीढ़ी के विचारों और कार्यों से होने वाला बदलाव भी है।

उन्होंने कहाकिशिक्षा का उद्देश्यशैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान, समस्या समाधान की क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहाकि यह नीति नवाचार, कौशल विकास औरविद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित कर शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन लाने केलिए एक सशक्त रूपरेखा प्रदान कररही है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047तक एक



विकसित राष्ट्र बनने कीदिशा में आगे बढ़रहा है। उन्होंने कहाकि ‘विकसित भारत-2047’ के संस्करण कोतभी साकारकिया जा सकता है, जब देश के युवा ज्ञानवान, नवाचारी, आत्मनिर्भर, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित होंगे।

प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व को इंगित करते हुए कविन्द्र गुप्ता ने कहाकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), रोबोटिक्स, एमटीईएमशिक्षा औरडिजिटल शिक्षण मंच विद्यार्थियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलरहे हैं।हिमाचल प्रदेश के कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थी भी

हिमाचल

राज्यपाल ने आधुनिक ज्ञान एवं नवाचार के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर दिया बल

स्थान हासिल करने पर बधाई दी।राज्यपाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन केलिए अक्षत कुमार और लद्दाख निवासी अल्ती अकबर को सम्मानित किया।

राज्यपाल ने विद्यालय के संस्थापक आई.एम. धवन के योगदान को यादकिया। उन्होंने युवा प्रतिभाओं को निखारने कीदिशा में प्रबंध निदेशक डॉ. सुधीर धवन और चेयरपर्सन डॉ. पूनमराय धवन के प्रयासों की सरहना की।

डॉ. पूनम राय धवन ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें विद्यालय के इतिहास, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का विवरण दिया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शनकिया।

विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ उन्हें हासिल करने का आह्वान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सफलता का आकलन केवल अंकों या पदों से नहीं, बल्कि चरित्र, आचरण और समाज के प्रति योगदान सेकिया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण तथा सतत जीवनशैली अपनाकर हिमालयी पर्यावरण के जिम्मेदार संरक्षक बनने का आह्वानकिया।

रामपुर बुशहर में स्मार्ट एमएसएमई पर कार्यशाला आयोजित

हिन्द जनपथ
रामपुर बुशहर (ब्यूरो)। मिनी सचिवालय रामपुर बुशहर में शुक्रवार को रैम्प योजना के अंतर्गत स्मार्ट एमएसएमई विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। हिमाचल प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग और सेंट्रल इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड (सीईएल) की विश्व बैंक समर्थित रैम्प परियोजना के तहत आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को उद्योग 4.0 की आधुनिक तकनीकों से जोड़ना है।

कार्यशाला में उद्योग विभाग के विस्तार अधिकारी यशपाल शर्मा सहित 30 से अधिक स्थानीय उद्यमियों ने भाग लिया। इस दौरान तकनीकी विशेषज्ञ अभिलक्ष लौ ने स्मार्ट एमएसएमई योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उद्योगों की उत्पादन लागत कम करने, मशीनों की कार्यक्षमता बढ़ाने और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), क्लाउड आधारित उद्यम संचालन नियोजन प्रणाली (ईआरपी), मशीनों के स्वास्थ्य की निगरानी, ऊर्जा प्रबंधन और रोबोटिक स्वचालन जैसी तकनीकों के उपयोग के



बारों में बताया। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों की मदद से मशीनों में संचावित खराबियों का पहले से पता लगाया जा सकता है। साथ ही बिजली की खपत को नियंत्रित करने और उत्पादन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में भी सहायता मिलती है। कार्यशाला के दौरान उद्यमियों को स्मार्ट तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी किया गया। योजना के तहत इच्छुक औद्योगिक इकाइयों का नि:शुल्क तकनीकी सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा चयनित इकाइयों को प्रायोगिक परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। कार्यशाला में उद्यमियों को आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपने व्यवसाय को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

चार वर्षों से विकास में पिछड़े, हिमाचल को डबल इंजन सरकार की जरूरत: जयराम ठाकुर

हिन्द जनपथ
शिमला : रोहड़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह व कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोला। जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं और मुख्यमंत्री केवल अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं, जबकि बेहिसाब कर्ज के कारण प्रदेश पर ऋण का बोझ बढ़कर 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विकास कार्यों पर पूरी तरह विराम लगाकर और जनहितकारी संस्थानों पर तालाबंदी करके सुक्खू सरकार अब पूरी तरह से ‘लॉक प्रिच’ और ‘लोनप्रिच’ बनकर रह गई है। कांग्रेस ने अपने कुप्रबंधन से इन चार वर्षों में हिमाचल प्रदेश को विकास के मामले में चार दशक पीछे धकेल दिया है और हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। मुख्यमंत्री अपनी छवि सुधारने और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये फूंक रहे हैं, लेकिन जनता ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया है, जिसका प्रमाण हाल ही में संपन्न पंचायत चुनाव हैं जहाँ प्रदेश सरकार की प्रशासनिक मशीनरी होने के बावजूद कांग्रेस अपने जनप्रतिनिधियों को नहीं जीता सकी। जिस नेता के नाम पर कांग्रेस लगातार रोहड़ का चुनाव जीतती रही, अब उन्हें भी भुला दिया गया। उनका नाम लेने से भी कांग्रेस की वर्तमान लीडरशिप परहेज कर रही है। जनसभा के उत्साह से साफ़ है कि अब रोहड़ के लोग भी कांग्रेस के नाम से परहेज करेंगे। आने वाले समय में रोहड़ से भाजपा प्रचंड वोटों से जीतेगी। जयराम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि हिमाचल प्रदेश को आज एक बार फिर से डबल इंजन सरकार की सख्त जरूरत है ताकि विकास को गति दी जा सके।

एमआईएस के तहत 16,877 बागवानों को 35.68 करोड़ रुपये जारी

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस) के तहत वर्ष 2026 में करीब 16,877 बागवानों को 35.68 करोड़ रुपये जारी किए हैं। हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) के माध्यम से जारी ईश राशि में 17.53 करोड़ रुपये नकद और 18.15 करोड़ रुपये एचएमओटीएसओ, उर्वरक तथा मशीनरी सहित अन्य कृषि इनपुट के रूप में दिए गए हैं। वहीं, 7,059 बागवानों से संबंधित 12.13 करोड़ रुपये के भुगतान दावों की प्रक्रिया अभी जारी है।

एचपीएमसी से प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार बागवानों के हितों की रक्षा और उन्हें समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से निगम के निदेशक मंडल की 8 अक्टूबर, 2026 को आयोजित 222वीं बैठक में संबंधित एमआईएस भुगतान दावे प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। इससे संबंधित दावों का सत्यापन करने, निगम की वित्तीय देनदारी तय करने और भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने में मदद मिलेगी।

अलग-अलग श्रेणियों के लिए तय की समय-सीमा निगम के अनुसार, एमआईएस-2024 और इससे पहले के वर्षों में सेब की आपूर्ति करने वाले ऐसे बागवान, जिन्होंने अभी तक भुगतान दावे प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे 30 अक्टूबर, 2026 तक अपने दावे जमा करवा सकते हैं। वहीं, एमआईएस-2025 के तहत 30 बैग तक सेब की आपूर्ति करने वाले बागवानों के लिए दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर, 2026 निर्धारित की गई है। इसी योजना के तहत 31 से 100 बैग तक सेब की आपूर्ति करने वाले उत्पादकों को अपने संबंधित भुगतान दावे 30 नवंबर, 2026 तक जमा करवाने होंगे।

एचपीएमसी ने संबंधित भुगतान दावों के निपटारे को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए सभी संबंधित शाखाओं को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक शाखा में प्राप्त दावों और उनसे जुड़े दस्तावेजों का उचित रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसके अलावा, संबंधित दावों के लिए वरिष्ठता रजिस्टर का रखरखाव अनिवार्य किया गया है।

कुलदीप सिंह पटानिया को 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का न्योता

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटानिया 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए विशेष आमंत्रण दिया है। भारत की संसद की मेजबानी में यह दो दिवसीय सम्मेलन 26 और 27 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में आयोजित होगा। पटानिया 25 अक्टूबर को शिमला से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

सम्मेलन का केंद्रीय विषय ऐसी संसदों को मजबूत करना है, जो विकास के केंद्र में व्यक्ति, समाज और उनकी वास्तविक जरूरतों को रखें। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारी तथा संसदीय प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और संबोधित करेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। सम्मेलन में बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच संसदों की क्षमता और सहनशीलता मजबूत करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल

तकनीकों को मानव-केंद्रित बनाने, वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने तथा सतत एवं समावेशी विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटानिया भी सम्मेलन में अपना संबोधन देंगे। इस दौरान विभिन्न देशों के संसदीय प्रतिनिधियों के बीच लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने, जनहित को प्राथमिकता देने और विकास की प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा।

जलवायु परिवर्तन से फसलों को होने वाले नुकसान से निपटने पर मंथन

के कारण फसलों में बढ़ रहे रोगों, रोगजनकों के बढ़ते व्यवहार, फसल उत्पादकता पर पड़ने वाले प्रभाव और टिकाऊ रोग प्रबंधन की आधुनिक रणनीतियों पर चर्चा की गई। वैज्ञानिकों ने उन्नत रोग निदान तकनीकों, जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों और पर्यावरण के अनुकूल पादप संरक्षण उपायों को समय की आवश्यकता बताया।

संगोष्ठी के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों में वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए। पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता आईसीआर-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. जे. कुमार ने की। डॉ. धर्मेश गुप्ता सह-अध्यक्ष और डॉ. आरती शुक्ला प्रतिवेदक रहीं। इस सत्र में चार आमंत्रित व्याख्यान और छह मौखिक शोध प्रस्तुतियां दी गईं। इनमें

भारत में गेहूं के रोगों की वर्तमान स्थिति, उभरती चुनौतियाँ और उनके प्रबंधन के उपायों के साथ हिमालयी क्षेत्र की राजमा की स्थानीय किस्म के-आरसी-5 से वैश्विक स्तर पर को-18 की पहचान तक की यात्रा पर चर्चा हुई। इसके अलावा अंडों के संदूषण से जुड़े सूक्ष्मजीवों की पहचान एवं प्रबंधन तथा जलवायु अनुकूल कृषि और वानिकी में माइक्रोराइजा सहजीविता की भूमिका पर भी जानकारी साझा की गई। अन्य तकनीकी सत्रों में जलवायु परिवर्तन के कारण विभिन्न फसलों में उभरने वाले रोगों, उनके बदलते स्वरूप, रोगजनकों के व्यवहार और फसल उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों से संबंधित शोध प्रस्तुत किए गए। वैज्ञानिकों ने रोगों की समय रहते पहचान और प्रभावी प्रबंधन के लिए नवीन तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया।

उभरती चुनौतियाँ और उनके प्रबंधन के उपायों के साथ हिमालयी क्षेत्र की राजमा की स्थानीय किस्म के-आरसी-5 से वैश्विक स्तर पर को-18 की पहचान तक की यात्रा पर चर्चा हुई। इसके अलावा अंडों के संदूषण से जुड़े सूक्ष्मजीवों की पहचान एवं प्रबंधन तथा जलवायु अनुकूल कृषि और वानिकी में माइक्रोराइजा सहजीविता की भूमिका पर भी जानकारी साझा की गई। अन्य तकनीकी सत्रों में जलवायु परिवर्तन के कारण विभिन्न फसलों में उभरने वाले रोगों, उनके बदलते स्वरूप, रोगजनकों के व्यवहार और फसल उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों से संबंधित शोध प्रस्तुत किए गए। वैज्ञानिकों ने रोगों की समय रहते पहचान और प्रभावी प्रबंधन के लिए नवीन तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया।

तत्पश्चात् सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी को पुष्पों से सुरुजित्त खुली पालकी में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा के रूप में समागम पंडाल के मध्य से मुख्य मंच तक ले जाया गया। इस अवसर पर निरंकारी ईस्टीम्यूट ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट्स (NIMA) के 600 से अधिक विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम एवं मधुर स्वागत गीत की प्रस्तुति के माध्यम से दिव्य युगल का भावपूर्ण अभिनंदन किया।

सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन सान्निध्य को पाकर श्रद्धालु भक्त भावविभोर हो उठे दिव्य युगल ने अपने स्नेहपूर्ण आशीर्वाद से सभी को निहाल किया। समस्त वातावरण प्रेमाभक्ति और आध्यात्मिक आनंद से सराबोर रहा।

भाजपा में गुटबाजी चरम पर: विनय कुमार

शिमला: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा है कि भाजपा के अंदर गुटबाजी अब धीरे धीरे मुखर हो कर सामने आ रही है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में भाजपा के नेताओं के बीच मुख्यमंत्री पद की दौड़ में होड़ मची हुई है।

विनय कुमार ने राजीव बिस्मिल के उस बयान पर जिसमें उन्होंने अपने एक सांसद के भाजपा में जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री घोषित किया पर चुटकी लेते हुए कहा है कि कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस नेता भाजपा के गुट पर हावी है और प्रदेश में भाजपा विखराव के दरवाजे पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के पाँच गुट तो पहले से ही थे, अब एक और नया गुट सामने आ गया है।

विनय कुमार ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में पूर्ण बहुमत वाली कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का जो षड्यंत्र रचा गया था, आज भाजपा उसी दल दल में खुद फंसती जा रही है।

<

न्यूज़ डायरी

पंजाब भर के सभी मतदान केंद्रों पर 24 अक्टूबर को लगाए जाएंगे विशेष शिक्किर शिविर: अनिंदिता मित्रा

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार, मतदाताओं की सुविधा के लिए पंजाब राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर 24 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक विशेष शिक्किर लगाए जा रहे हैं। यह जानकारी पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अनिंदिता मित्रा ने आज यहां साझा की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ये शिक्किर मतदाताओं की सुविधा के लिए लगाए जा रहे हैं, ताकि वे 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एस.आई.आर.), 2026 के तहत 12 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करने के साथ-साथ नए पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकें और मतदाता विवरण में संशोधन करवा सकें।

श्रीमती मित्रा ने बताया कि आगामी

‘विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण’ (एस.एस.आर.) के तहत नए पंजीकरण के लिए पात्रता तिथि 1 जनवरी, 2027 होगी। कोई भी नागरिक, जो इस तिथि को या इससे पहले 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा है, वह 'फॉर्म नंबर 6' भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाने के लिए आवेदन कर सकता है।

गैंगस्टरों ते वार का 276वां दिन: पंजाब पुलिस ने 468 ठिकानों पर की छापेमारी; 181 काबू

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ‘गैंगस्टरों ते वार’ अभियान के 276वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के च्छिहित एवं मैप किए गए 468 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि ‘गैंगस्टरों ते वार’ पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक लड़ाई है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमों राज्य भर में विशेष अभियान चला रही हैं।

अभियान के 276वें दिन पुलिस टीमों ने सात हथियारों सहित 181 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 80,234 हो गई है।

इसके अलावा, 145 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातान कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस कार्रवाई के दौरान छह भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

लोग एटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों से संबंधित जानकारी गोपनीय रूप से दे सकते हैं। इसके अलावा, अपराध और आपराधिक गतिविधियों के बारे में भी सूचना साझा कर सकते हैं। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपना अभियान 'युद्ध नशों विरुद्ध' 601वें दिन भी जारी रखा। आज इस अभियान के तहत 111 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 251 ग्राम हेरोइन, 2,111 नशीली गोिलियां और 2,950 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही अभियान के 601 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 87,391 हो गई है।

कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार की अध्यक्षता में ‘सरकार गाँव के द्वार’ कार्यक्रम आयोजित

हिन्द जनपथ फतेहपुर: कांगड़ा जिला के फतेहपुर में शुक्रवार को कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार की अध्यक्षता में ‘सरकार गाँव के द्वार’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर फतेहपुर के विधायक भवानी सिंह पठनिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त सभी जनसमस्याएं का मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उनका नियमानुसार समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलती है तथा आम जनता का प्रशासन पर विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी समस्याओं और विकास संबंधी सुझावों को ऐसे मंचों के माध्यम से प्रशासन के समक्ष रखें, ताकि उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

पंजाब में नहरी पानी का उपयोग 26 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हुआ, सिंचाई का रकबा 61 लाख एकड़ तक पहुंचा: बरिंदर कुमार गोयल

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज पंजाब विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्रों तक नहरी पानी की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए नहरी सिंचाई का विस्तार करने के साथ-साथ नहरी नेटवर्क को मजबूत कर रही है।

बाबा बकाला के विधायक स.दलबीर सिंह द्वारा विधानसभा क्षेत्र में नहरी पानी की आपूर्ति और खालों की लाइनिंग के संबंध में पूछे गए प्रश्न का प्रश्नकाल के दौरान उत्तर देते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि 21.97 करोड़ रुपये की लागत से 31.44 किलोमीटर नहरों की कंक्र्रीट लाइनिंग का काम पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष 77 किलोमीटर की लाइनिंग का काम तकनीकी संभावना और प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने सदन को बताया कि बाबा बकाला विधानसभा क्षेत्र को सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने वाला नहरी नेटवर्क अपर बाबी दोआब नहर (यू.डी.डी.सी.) प्रणाली की सभरान ब्रांच से मिलताता है। इस क्षेत्र में सात डिस्ट्रीब्यूटरी और पांच माइनर्स के

चंडीगढ़/हरियाणा/पंजाब/हिमाचल

किसानों को 24 घंटे में फसल का भुगतान किया जा रहा है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

राजपुरा- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राजपुरा मंडी में खरीद प्रबंधों का जायजा लेते हुए कहा कि पंजाब में धान की खरीद निर्विंच चल रही है। किसानों को 24 घंटे के अंदर भुगतान किया जा रहा है, अनाज की दुलाई के लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं और सरकार मंडियों में फसल के भंडारण के लिए जरूरी जगह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। किसानों, आढ़तियों और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आपसी तालमेल से सभी अहम मसले हल कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि धान की अच्छी पैदावार किसानों के लिए हिवाली को और खुशहाल बनाएगी। उन्होंने कहा कि हर खेत तक नहरी पानी पहुंचाने से जमीन की उपजाऊ शक्ति बढ़ेगी और भूजल की बचत होगी।

इस दौरे का एक वीडियो साझा करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा: 'पंजाब के किसान भाइयों की दिन-रात की अथक मेहनत आज अधिक पैदावार और बेहतर आमदनी के रूप में रंग ला रही है। खेतों से लेकर मंडियों तक, आपकी



अपनी सरकार हर कदम पर आपके कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, ताकि आपको आपकी फसल का पूरा मूल्य मिल सके। हमारे किसानों की खुशहाली ही पंजाब की तरक्की है।' खरीद प्रक्रिया का जायजा लेने के लिए अनाज मंडी का दौरा करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि गुरुवार तक सुबे भर की मंडियों में 62.07 लाख मीट्रिक टन धान की आमद हुई है, जिसमें से 60.50 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है

भारत में संस्थाओं की विश्वसनीयता गंभीर संकट में, लोगों को ‘निर्वाचित तानाशाही’ की ओर धकेला जा रहा है: अमन अरोड़ा ने चुनाव आयोग की स्वायत्तता के मुद्दे पर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रधान श्री अमन अरोड़ा ने आज कहा कि भारत का चुनावी लोकतांत्रिक ढांचा पिछले कई दशकों के अपने 'सबसे गंभीर संस्थागत संकट' का सामना कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की स्वायत्तता को सुनियोजित तरीके से समाप्त किया गया है और देश को 'निर्वाचित तानाशाही' की ओर धकेला जा रहा है।

पंजाब विधानसभा में पात्र नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग करने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए श्री अमन अरोड़ा ने पंजाब के उन स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश की आजादी और मतदान के अधिकार के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। मतदान के अधिकार में समानता के संबंध में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचारों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नागरिकता का मूल आधार है।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि यह संकट किसी एक चुनाव आयुक्त तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि दो चुनाव आयुक्तों ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही और उनके असहमित संबंधी विचारों को बार-बार नजरअंदाज किया जा रहा है। ईवीएम और चुनाव आयोग के कामकाज पर उठ रहे सवाल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में युवाओं द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि चुनाव



प्रक्रिया के प्रति लोगों का विश्वास दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा, “यह मामला केवल ज्ञानेश कुमार तक सीमित नहीं है। भविष्य में इस पद पर जो भी आएगा, उसे इसी ढांचे के भीतर रहकर

काम करना पड़ेगा, क्योंकि यह सब कुछ सत्ता में बैठे लोगों के इशारे पर ही हो रहा है।” उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र केवल सत्ता के बल पर कायम नहीं रहता, बल्कि ईमानदारी और निष्पक्षता के कारण ही बरकरार रहता है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों का उल्लेख करते हुए श्री अमन अरोड़ा ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन को याद किया। उन्होंने कहा कि शेषन ने 1995 में बिहार में बड़े पैमाने पर बूथ कैचरिंग की घटनाओं के कारण तत्कालीन सरकार के दबाव के बावजूद वहां चुनाव तब तक स्थगित करवा दिए थे, जब तक भारी संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती नहीं कर दी गई। इसी तरह उन्होंने पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा का भी उल्लेख किया, जिन्होंने 2018-19 के दौरान प्रधानमंत्री के भाषणों पर आपत्ति जताई थी और बाद में एशियाई विकास बैंक में उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के लिए देश छोड़ दिया था।

पंजाब विधान सभा द्वारा आपत्तिजनक शब्दावली के मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा को सत्र के बाकी रहते समय के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

चंडीगढ़- आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक और कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब विधान सभा में कांग्रेसी विधायक सुखपाल सिंह खैहरा के विरुद्ध प्रस्ताव पेश करते हुए उन्हें वर्तमान सत्र के शेष समय के लिए निलंबित करने की मांग की। वित्त मंत्री ने विधायक पर आपत्तिजनक शब्दावली का प्रयोग करने, चैयर के आदेशों की अदेहेलना करने और सदन की कार्यवाही में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया, जिसके कारण विधान सभा का बहुमूल्य समय बर्बाद हुआ और सदन की गरिमा को ठेस पहुंची। सदन को संबोधित करते हुए, ‘आप’ विधायक और कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सदस्यों ने सुखपाल सिंह खैहरा द्वारा प्रयोग किए गए आपत्तिजनक शब्दों पर कड़ा आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आपत्तिजनक शब्दावली पंजाब के परिश्रमी मजदूरों, विशेषकर अनुसूचित जातियों से संबंधित लोगों के स्वाभिमान और सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब के श्रमिक वर्ग ने राज्य की प्रगति और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।



प्रदेश सरकार ने एमआईएस के तहत 35.68 करोड़ रुपये जारी किए

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्ष 2026 के दौरान मार्केट इंटरवेंशन रकमी (एमआईएस) के तहत लगभग 16,877 बागवानों को 35.68 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा 17.53 करोड़ रुपये नकद तथा 18.15 करोड़ रुपये इन्पुट (एचएमओ/टीएसओ, उर्वरक, मशीनरी इत्यादि) के रूप में दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 7,059 बागवानों से संबंधित 12.13 करोड़ रुपये के भुगतान दावों की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि बागवानों के हितों की रक्षा और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। एचपीएमसी के निदेशक मंडल की 8 अक्टूबर, 2026 को आयोजित 222वीं बैठक में लंबित एमआईएस के अंतर्गत दावे प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई थी। इसका उद्देश्य दावों की प्रक्रिया को प्रस्तुत करना, निगम की वित्तीय देनदारी निर्धारित करना और भुगतान संबंधी कार्यवाही को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। इसके अनुसार, एमआईएस-2024 एवं इससे पूर्व के वर्षों में सेब की आपूर्ति करने वाले बागवान, जिन्होंने अपने भुगतान दावे प्रस्तुत नहीं किए हैं, ने 30 अक्टूबर, 2026 तक, एमआईएस-2025 के तहत 30 बैग तक सेब की आपूर्ति करने वाले बागवान 15 नवंबर, 2026 तक तथा 31 से 100 बैग तक सेब की आपूर्ति करने वाले सभी उत्पादक, जिन्होंने अपने भुगतान दावे प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे 30 नवंबर, 2026 तक अपने लंबित दावे जमा करवाना सुनिश्चित करें।

पंचकूला के युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार रखने का अवसर, विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के लिए पंजीकरण शुरू - श्रीमती सिन्धुा सिंह

हिन्द जनपथ पंचकूला (ब्यूरो)। युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत (MY Bharat), पंचकूला द्वारा विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026-27 के आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, पंचकूला श्रीमती सिन्धुा सिंह ने बताया कि विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (VBLYD) 2027 के अंतर्गत किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने तथा नीति निर्माण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक संवाद करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन 31 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 के बीच किया जाएगा। इसके लिए प्रतिभागियों का पंजीकरण MY Bharat पोर्टल के माध्यम से शुरू हो चुका है। जिला स्तर पर प्रतियोगिता का निर्धारित विषय “एक राष्ट्र, एक चुनाव (One Nation, One Election)” है। प्रतिभागियों को इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए तीन मिन्ट का समय दिया जाएगा। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा भाग ले सकते हैं। पात्रता के लिए निर्धारित कट-ऑफ तिथि 17 अगस्त 2026 है। युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी प्रतिभा, विचारशीलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करें।

मंडियों में सुचारु रूप से चल रहा है धान की खरीद और उतान का कार्य

हिन्द जनपथ पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 50679 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 36053 मीट्रिक टन धान का उतान किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 3459 मीट्रिक टन, बरवाला में 18260 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 10702 मीट्रिक टन, एचएसआईआईडीसी अलीपुर में 4700 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी रायपुररानी में 1638 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 5958 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 5962 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई।

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना संख्या ETRu-T-17-2026-27 & ETrU-T-18-2026-27
बिे, मंडल विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।
क्र. सं. 1. : निविदा संख्या : ETrU-T-17-2026-27
कार्य का विवरण : अंबाला मंडल के घग्गर, परवाणू, कुराली, आनंदपुर साहिब, धवलान, हडियाणा, कुप एवं छाजली तथा उकलाना ट्रैक्शन सब-स्टेशनों पर 100 केवीए सहायक ट्रांसफार्मर की व्यवस्था हेतु कार्य।
निविदा बंद/खुलने की तिथि : 16.11.2026
लगभग लागत : ₹. 88,12,555.37/-
घरोहर राशि : ₹. 1,76,300/-
कार्य पूरा करने की अवधि : 06 महीने
वैधता अवधि : 60 दिन
टेण्डर फॉर्म की कीमत : Downloading through IREPS portal -NIL, (Rs. 5,000/- Sr.DEED/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)
क्र. सं. 2. : निविदा संख्या : ETrU-T-18-2026-27
कार्य का विवरण : अंबाला मंडल के एसआरई-यूएमबी-डीएचपीआर, यूएमबी-एलडीएच और जेएचएल-एचएसआर-एलडीएच सेक्शन पर उच्च एमएमटी परिवहन उत्पाद/डबल स्टैक ड्रवाफ कंटेनर्स (डीएसडीसी) की आवाजाही के लिए उल्लंघनों को हटाने के लिए सी/डब्ल्यू में ओएचई संशोधन हेतु कार्य।
निविदा बंद/खुलने की तिथि : 16.11.2026
लगभग लागत : ₹. 1,39,12,127.79/-
घरोहर राशि : ₹. 2,78,300/-
कार्य पूरा करने की अवधि : 08 महीने
वैधता अवधि : 60 दिन
टेण्डर फॉर्म की कीमत : Downloading through IREPS portal -NIL, (Rs. 5,000/- Sr.DEED/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)
1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। 2. निविदाकार के पास ई-निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। 3. कार्य में GST,BOCWWM, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टेक्स लागू होंगे। 4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागू हैं एवं इस प्रकार है: क्र.स. 1 में "Supply, erection, testing & commissioning of 25kV / 240V, 5kva, 10 KVA & above LT supply transformer." OR "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE." OR "Design, supply, erection testing & commissioning of 66 KV or higher voltage 3-phase grid substation." OR "Design, supply, erection testing & switching station commission of 50Hz, single phase 25 KV (SP, SSP)." और क्र.स. 2 में "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE". 5. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये।
सं.: ETrU-T-17-2026-27 & ETrU-T-18-2026-27 दिनांक: 23.10.2026 3688/2026
ग्राहकों की सेवा में सुत्कान के साथ

सितंबरमेंकैसीरहीथीडिविचटीलार्जकैपफंडकीस्थितिज्ञानेंइन3म्यूचुअलफंड्सने5सालमेंकितनादियारिटर्न

नई दिल्ली, एंजेंसी। म्यूचुअल फंडस में निवेश के लिए कई सारे निवेशक इसके अलग-अलग



फंडस में पैसा लगाते हैं। वे इसमें एसआईपी या लंपसम जरिए निवेश करते हैं। कई लोग ऐसे होते हैं जो लंबी अवधि के लिए तो कई ऐसे होते हैं कि जो शॉर्ट टर्म के लिए निवेशित होते हैं। इस बीच हम म्यूचुअल फंडस की इविचटी लार्ज कैप कैटेगरी की बात कर रहे हैं। इस श्रेणी का अर्थ होता है कि कम से कम 80 फीसदी हिस्सा शेयर बाजार के लार्ज कैप में निवेश हुआ होना चाहिए। अब आइए जानते हैं कि बीते सितंबर में इविचटी लार्ज कैप में निवेश का क्या हाल रहा, इसके साथ ही हम यहां तीन ऐसे फंड के बारे में जानेंगे जिन्होंने बीते पांच वर्षों में अपने पात्र निवेशकों को 7.9 फीसदी से 10 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इनके नाम निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप और एचडीएफसी लार्ज कैप हैं। कुछ दिन पहले एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंडस इन इंडिया ने सितंबर 2026 के लिए म्यूचुअल फंड के आंकड़े जारी किए थे। इसके अनुसार, अगस्त में लार्ज कैप में 1,147 करोड़ रुपये के आउटप्लो (निकासी) के बाद, सितंबर में लार्ज कैप फंड में 859 करोड़ रुपये का नेट इनप्लो (खरीदारी) दर्ज हुआ था। लार्ज कैप फंड की ओर फिर से आए और पैसा लगाया। इविचटी लार्ज कैप फंड में सबसे पहले बात एचडीएफसी लार्ज कैप की। इसने बीते पांच साल में 7.9 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड की बात करें तो इसने बीते पांच वर्ष में 8.6 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अब बात निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप की। इसने अपने पात्र निवेशकों को पिछले पांच वर्षों में 10 फीसदी का रिटर्न दिया है। रिटर्न के ये आंकड़े 14 अक्टूबर 2026 तक के हैं।

3 महीने से लेकर 5 साल तक का रिटर्न

अब आइए इन तीनों फंड्स के बीते 3 महीने से

एलनमस्ककोबहुतबड़ा नुकसान: 1हीदिनमें79.4अरबडॉलरकाझटका

नईदिल्ली, एंजेंसी। दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क को इस 5 अगस्त के बाद सबसे बड़ा



नुकसान का सामना करना पड़ा है। गुरुवार को उनकी दोलत एक ही दिन में 79.4 अरब डॉलर घटकर 906 अरब डॉलर रह गई। मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर 3.1 प्रतिशत टूट गए। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क के अलावा जेफ बेजोस, लैरी पेज, सर्गी ब्रिन, मार्क जुकरबर्ग, माइकल डेल को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा। क्वाॉक, प्रमुख कंपनियों जैसे एनविडिया, माइक्रो सॉफ्ट, एप्पल, अमेजन, गूगल, मेटा और टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार, 22 अक्टूबर को टेक्नोलॉजी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंता और दिग्गज कंपनियों के नतीजों के बाद निवेशकों की सतर्कता ने टेक शेयरों पर दबाव बनाया। टेक शेयरों के प्रमुख सूचकांक नैस्डैक कंपोजिट में 2.60 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 26,008 अंक पर बंद हुआ। मेटा प्लेटफॉर्मस 7.0 प्रतिशत लुढ़क तो मार्क जुकरबर्ग की दोलत 16.6 अरब डॉलर कम होकर 230 अरब डॉलर रह गई।

भारत में 3,700

करोड़ निवेश करेगा

जर्मनी का गुप

नई दिल्ली, एंजेंसी। बिल्डिंग मटीरियल्स बनाने वाली जर्मन कंपनी भारत में 350 मिलियन यूरो (करीब 37,14,83,00,000 रुपये) का अतिरिक्त निवेश करने और चार नए प्लांट लगाने की योजना बना रही है। कंपनी के पहले से ही भारत में दो प्लांट चल रहे हैं। जिप्सम और जिप्सम से बने उत्पादों के क्षेत्र में काम करती है। इस प्रस्तावित निवेश से भारत में कंपनी की मेन्यूफैक्चरिंग कैपेसिटी में विस्तार होगा। एक परिवार के स्वामित्व वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी है। इसका मुख्यालय जर्मनी में है। इसकी स्थापना साल 1932 में माइनिंग इंजीनियर ने की थी।

अर्थ/बाजार

होर्मुज संकट से कच्चे तेल की दुलाई 7 गुना महंगी हुई, बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, एंजेंसी। मिडिल ईस्ट में युद्ध के खतरे और होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते जोखिम के कारण कच्चे तेल की दुलाई महंगी हो गई है। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में कच्चे तेल की शिपिंग लागत एक साल में 7 गुना बढ़ गई है। इससे खासकर एशिया की उन रिफाइनरी कंपनियों पर दबाव बढ़ रहा है, जो दूसरे देशों से कच्चा तेल मंगाती हैं।

दुलाई की बढ़ती लागत के कारण कंपनियों के सामने दो विकल्प हैं। वे पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन की कीमतें बढ़ाकर यह बोझ ग्राहकों पर डालें या खुद कम मुनाफे पर कारोबार करें। अगर रिफाइनरी कंपनियां उत्पादन घटाती हैं, तो इससे दुनिया में ईंधन की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की औसत दुलाई दर एक साल पहले करीब 3 डॉलर प्रति बैरल थी। अब यह बढ़कर 20 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। यानी एक साल में इसमें करीब 17 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, दुलाई लागत में कुल 20 डॉलर प्रति बैरल की सालाना बढ़ोतरी के आधे से ज्यादा हिस्से की वजह होर्मुज में युद्ध का जोखिम और फारस की खाड़ी के बाहर जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करना है। इस सप्ताह ब्रेट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। रिपोर्ट तैयार किए जाने के समय यह करीब 111.51 डॉलर प्रति

मृतक के पास नहीं मिली टिकट, ट्रेन हादसे में मौत पर रेलवे को देना ही होगा मुआवजा, बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एंजेंसी। ट्रेन हादसे में अगर किसी यात्री की मौत हो जाती है और उसके पास से टिकट नहीं मिलता है, तो इसके आधार पर मुआवजे का दावा खारिज नहीं किया जा सकता। बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए रेलवे को एक मृत युवक के माता-पिता को 8 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। युवक की साल 2015 में भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने के कारण मौत हो गई थी। जस्टिस आरती साठे की एकल पीठ ने रेलवे दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के साल 2020 के फैसले को रद्द कर दिया। न्यायाधिकरण ने यात्रा के दौरान का टिकट नहीं मिलने के कारण परिवार का मुआवजा दावा खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट ने कहा कि न्यायाधिकरण ने कानून की गलत और सीमित व्याख्या की, जिससे मृतक के परिवार को कानून के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित होना पड़ा। यह घटना 1 सितंबर 2015 की है। 19 साल के संदीप पांडा बेलापुर से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस जा रहे थे। उनके माता-पिता के मुताबिक, संदीप उस दिन काम के सिलसिले में कुर्ला से बेलापुर गए थे। रात 8 बजे के बाद वह एक दोस्त से मिलने के लिए बेलापुर से सीएसएमटी जाने वाली लोकल ट्रेन में सवार हुए।

ट्रेन में काफी भीड़ थी। संदीप दरवाजे के पास खड़े थे, तभी कुर्ला और चुनाभट्टी के बीच वह ट्रेन से गिर गए। उन्हें सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद संदीप के माता-पिता भारकर (52) और प्रफुल्ला (48) ने रेलवे से मुआवजे की मांग की। रेलवे दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने परिवार का दावा खारिज करते हुए कहा था कि संदीप के पास से कुर्ला से बेलापुर तक का टिकट मिला था, लेकिन बेलापुर से सीएसएमटी जाने का टिकट नहीं मिला। इसलिए उन्हें उस यात्रा का वैध यात्री नहीं माना जा सकता, जिसके दौरान उनकी मौत हुई। माता-पिता ने हाई कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी।

अर्थ/बाजार

होर्मुज संकट से कच्चे तेल की दुलाई 7 गुना महंगी हुई, बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं, कच्चे तेल का एक अन्य प्रमुख बेंचमार्क करीब 99.31 डॉलर प्रति बैरल पर था। कंपनियां इसके जवाब में दूसरे, नजदीकी सप्लायरों



से तेल खरीदने की कोशिश कर सकती हैं। अगर कंपनियां बढ़ी हुई लागत ग्राहकों पर डालती हैं, तो पेट्रोल-डीजल और दूसरे ईंधन महंगे हो सकते हैं। वहीं, अगर कीमतें बढ़ना संभव नहीं होता, तो कंपनियों का मुनाफा घट सकता है। जिन बाजारों में खुद्रा ईंधन की कीमतें नियंत्रित हैं, वहां लागत का बोझ कंपनियों पर ज्यादा पड़ सकता महंगी दुलाई से सभी तेल उत्पादकों को एक जैसा नुकसान नहीं होगा। दूर के बाजारों में तेल बेचने वाले उत्पादकों को ग्राहकों को बनाए रखने के लिए ज्यादा छूट देनी पड़ सकती है।

2 दिन में सोना 3000 से अधिक टूटा, चांदी 13000 से अधिक हुई सस्ती

नईदिल्ली, एंजेंसी। एमसीएक्स पर आज सोने-चांदी के भाव में आज भी बड़ी गिरावट नजर आ रही है। आज 10 ग्राम सोने का वायदा भाव 142443 रुपये पर आ गया है। जबकि, चांदी का भाव 194847 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। शुरुआती कारोबार में ही चांदी के रेट में आज 5000 रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। जबकि, सोना आज 860 रुपये प्रति 10 ग्राम टूटा है। दो दिन में सोने के भाव में 3000 रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है जबकि, चांदी 13000 रुपये से अधिक टूट चुका है। एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार, 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर आज की डेट तक 50653 रुपये तक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स

सिल्वर का ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 225201 रुपये सस्ता हो चुका है। इससे पहले चांदी और सोने की कीमतों में गुरुवार, 22 अक्टूबर को भी भारी गिरावट दर्ज की गई थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का वायदा भाव 8,593 रुपये प्रति किलोग्राम टूटकर 2,00,575 रुपये पर आ गया था। यह पिछले सात महीने का सबसे निचला स्तर था। वहीं, सोने की कीमत भी 2,300 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 1,43,600 रुपये पर पहुंच गई थी। इस महीने अब तक सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अक्टूबर में सोना करीब 4 प्रतिशत और चांदी लगभग 12 प्रतिशत टूट चुकी है। चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा गिरावट देखने को मिली है।

स्पाॅट गोल्ड शुक्रवार को

दुलाई महंगी होने की बड़ी वजहें

होर्मुज में युद्ध का जोखिम सबसे बड़ा है। इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों के लिए जोखिम प्रीमियम करीब 7 डॉलर प्रति बैरल बढ़ा है। जहाज से जहाज में तेल ट्रांसफर बढ़ गया है। फारस की खाड़ी के बाहर तेल ट्रांसफर करने से लागत में 4 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई है। जहाजों के ईंधन की बढ़ती कीमतें बढ़ गई हैं। समुद्री ईंधन महंगा होने से लागत 4 डॉलर प्रति बैरल बढ़ी है। टैंकरों का सही इस्तेमाल न हो पाना भी बड़ी वजह है। जहाजों की तेनाती में दिक्कत और रास्ता बदलने से 3 डॉलर प्रति बैरल का अतिरिक्त खर्च आया है। ईरानी टैंकरों पर पाबंदियों से भी कीमतें बढ़ी हैं। ईरान के टैंकर बड़े पर लगी पाबंदियों से लागत में 2 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई है।

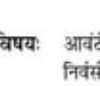
भारत पर क्या होगा असर : भारत जैसे देश, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करते हैं, उनके लिए दुलाई लागत बढ़ना चिंता की बात है। खासकर दूर के देशों से तेल खरीदने वाली रिफाइनरी कंपनियों का खर्च बढ़ सकता है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में परिवहन लागत हमेशा सीधे शामिल नहीं होती, लेकिन महंगी दुलाई से रिफाइनरी कंपनियों की लागत और मुनाफे पर असर पड़ता है।

कर्ज चुकाने के लिए सोना गिरवी रख रहे हैं लोग, रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारत में गोल्ड लोन (सोने के बदले मिलने वाले कर्ज) में आ रही बेतहाशा तेजी के पीछे क्या लोगों की तंगी और कर्ज के जाल में फंसना एक बड़ा कारण है की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई फाइनैंस कंपनियां ऐसे ग्राहकों को भी सोना गिरवी रखकर नया लोन दे रही हैं, जो पहले से ही कर्ज चुकाने में बुरी तरह पिछड़ चुके हैं। [जिनका पुराना लोन ओवरड्यु। (समय पर न चुकाया गया) चल रहा है। इस ट्रेंड से यह सवाल खड़ा होता है कि क्या गोल्ड लोन का इस्तेमाल लोग अपनी जरूरतें पूरी करने या कमाई बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, या फिर यह सिर्फ पुराने कर्ज को छिपाने और मैनेज करने का एक जरिया बनता जा रहा है। फाइनैंस के एमडी और सीईओ जयराम श्रीधरन ने बताया कि पिछले एक साल में इंडस्ट्री में हुए कुल गोल्ड लोन वितरण का 15 प्रतिशत से 23 प्रतिशत हिस्सा ऐसे ग्राहकों को गया, जो अपने पिछले लोन को चुकाने में 90 दिन से ज्यादा की देरी कर चुके थे। पिछले हफ्ते अपनी अर्निंग्स कॉल के दौरान बजाज फाइनैंस ने कहा कि वह कम अवधि वाले गोल्ड लोन से दूरी बना रहा है।

 चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम	8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़
	
सार्वजनिक सूचना	
विषय: पंजीकृत वसीयत के आधार पर आवंटि/हस्तांतरी श्री राम मूर्ति यादव (राम मूर्ति यादव/राम मूर्ति पुत्र श्री जयश्री यादव) (जय श्री/जय श्री यादव) के नाम से (i) श्री राकेश यादव पुत्र स्व. श्री राम मूर्ति यादव (राम मूर्ति) एवं (ii) श्री संदीप यादव पुत्र स्व. श्री राम मूर्ति यादव के नाम में डीयू सं. 1059, श्रेणी-IV , धनास, चंडीगढ़ के संबंध मेंस्वामित्व के आवंटन/पंजीकरण का हस्तांतरण/नामांजण।	
आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि आवंटि/हस्तांतरी की मृत्यु के परचात, (i) श्री राकेश यादव पुत्र स्व. श्री राम मूर्ति यादव (राम मूर्ति) एवं (ii) श्री संदीप यादव पुत्र स्व. श्री राम मूर्ति यादव ने डीयू सं. 1059, श्रेणी-IV , धनास, चंडीगढ़ के हस्तांतरण हेतु चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड को संपर्क किया है, श्री राम मूर्ति यादवा (राम मूर्ति यादव/राम मूर्ति पुत्र श्री जयश्री यादवा) (जय श्री/जय श्री यादव) की 22.06.2025 को चंडीगढ़ में मृत्यु हो चुकी है और उसने अपने पीछे एक वसीयत छोड़ी है, जो उनके पक्ष में 27.10.2011 को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के पास पंजीकृत थी। उनके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि यह वसीयत मृतक आवंटि/हस्तांतरी की उसके द्वारा निष्पादित अंतिम वसीयत है, जो न तो मृतक की मृत्यु तक बर्खास्त हो सकती है और न ही रद्द की जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित इवेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।	
सचिव, चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड, चंडीगढ़	

 चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम	8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़
	

 चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम	8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़
सार्वजनिक सूचना	
विषय: आवंटि/हस्तांतरी श्री जसविंदर सिंह रंधावा पुत्र श्री रणधीर सिंह रंधावा की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर (i) श्रीमती सतवंत कौर (सतवंत कौर रंधावा) पत्नी स्व. श्री रणधीर सिंह रंधावा, (ii) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी स्व. श्री जसविंदर सिंह रंधावा, (iii) सुश्री तरनूम कौर पुत्री स्व. श्री जसविंदर सिंह रंधावा, (iv) श्री हरमन सिंह रंधावा पुत्र स्व. श्री जसविंदर सिंह रंधावा के नाम में इवेलिंग यूनिट सं.2612, श्रेणी-II/ एचआईजी (एल), सेक्टर 47-सी, चंडीगढ़ के आवंटन/पंजीकरण का हस्तांतरण/नामांजण।	
आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इवेलिंग यूनिट सं.2612, श्रेणी-II/ एचआईजी (एल), सेक्टर 47-सी, चंडीगढ़ के आवंटि/हस्तांतरी श्री जसविंदर सिंह रंधावा पुत्र श्री रणधीर सिंह रंधावा की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार 11.10.2025 को मोहाली (पंजाब) में मृत्यु हो चुकी है।(i) श्रीमती सतवंत कौर (सतवंत कौर रंधावा) पत्नी स्व. श्री रणधीर सिंह रंधावा, (ii) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी स्व. श्री जसविंदर सिंह रंधावा, (iii) सुश्री तरनूम कौर पुत्री स्व. श्री जसविंदर सिंह रंधावा, (iv) श्री हरमन सिंह रंधावा पुत्र स्व. श्री जसविंदर सिंह रंधावा की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में इवेलिंग यूनिट सं.2612, श्रेणी-II/ एचआईजी (एल), सेक्टर 47-सी, चंडीगढ़ के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। उसके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है। यदि किसी व्यक्ति को इवेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा (i) श्रीमती सतवंत कौर (माता) (ii) श्रीमती गुरजीत कौर (पत्नी), (iii) सुश्री तरनूम कौर (पुत्री), (iv) श्री हरमन सिंह रंधावा (पुत्र) के पक्ष में हस्तांतरित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर उक्त इवेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।	
सचिव, चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड, चंडीगढ़	



घर बैठे करें देश-दुनिया के बेस्ट ऑनलाइन कोर्सेज, मिलेगी फ्री सर्टिफिकेशन

आज के समय में अच्छी नौकरी के लिए सिर्फ डिग्री होना ही काफी नहीं है. कंपनियां ऐसे कैडिडेट्स को प्राथमिकता देती हैं, जिनके पास जरूरी स्किल्स और प्रैक्टिकल नॉलेज भी हो. ऐसे में ऑनलाइन कोर्सेज स्किल डेवलपमेंट का आसान और किफायती तरीका बन गए हैं. खास बात यह है कि कई सरकारी संस्थान और बड़ी टेक कंपनियां घर बैठे ऑनलाइन कोर्स करने का मौका दे रही हैं. इनमें कई कोर्स फ्री हैं, जबकि कुछ के लिए सर्टिफिकेट लेने पर मामूली फीस देना होता है.

SWAYAM और NPTEL से करें IIT-IISc के कोर्स

SWAYAM और NPTEL भारत सरकार की ऑनलाइन लर्निंग पहल हैं. यहां IIT और IISc के प्रोफेसर्स द्वारा AI, डेटा साइंस, प्रोग्रामिंग, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट जैसे सब्जेक्ट्स के कोर्स कराए जाते हैं. कोर्स की पढ़ाई फ्री होती है. वहीं, परीक्षा पास करने के बाद तय फीस देकर ऑफिशियल सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया जा सकता है.

गूगल करियर सर्टिफिकेट से

सीखें जॉब ओरिएंटेड स्किल्स

Google Career Certificates के तहत (Data Analytics) डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे कोर्स उपलब्ध हैं. इन कोर्सेज को खास तौर पर जो पहली बार सीख रहे यानि की बिगिनर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. ये स्किल्स आज के जॉब मार्केट में काफी डिमांड में हैं.

स्किल इंडिया डिजिटल हब

Skill India Digital Hub, National Skill Development Corporation (NSDC) का डिजिटल प्लेटफॉर्म है. यहां अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े कई स्किल-बेस्ड कोर्स अवेलेबल हैं. स्टूडेंट्स और नौकरी की तैयारी कर रहे कैडिडेट्स यहां डिजिटल मार्केटिंग, और साइबर सिक्योरिटी जैसी स्किल्स सीख सकते हैं.

Coursera और edX पर

फॉरेन यूनिवर्सिटी के कोर्स

Coursera और edX जैसे प्लेटफॉर्मस पर Harvard, Stanford और Yale जैसी यूनिवर्सिटीज के ऑनलाइन कोर्स अवेलेबल हैं. कई कोर्स Audit Mode में फ्री में किए जा सकते हैं. कुछ कोर्सेज के लिए फाइनेंशियल ऐड की सुविधा भी अवेलेबल होती है, जिसके जरिए योग्य कैडिडेट्स सर्टिफिकेट भी फ्री में प्राप्त कर सकते हैं.

कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन कोर्स करते समय हमेशा उसके संस्थान और सर्टिफिकेट की विश्वसनीयता जरूर जांचें. ऐसा कोर्स चुनें जिसमें Self-Paced Learning की सुविधा हो, ताकि पढ़ाई या नौकरी के साथ इसे आसानी से पूरा किया जा सके. इसके अलावा Practical Projects और Real-World Assignments वाले कोर्स को प्राथमिकता दें. इससे स्किल्स को बेहतर तरीके से सीखने और नौकरी में उनका इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी.



कॉलेज जाने की नहीं है जरूरत, घर बैठे सीखें ये स्किल्स करियर ग्रोथ और होगी छप्पर फाड़ कमाई

आज के दौर में सिर्फ डिग्री होना ही काफी नहीं है. बढ़ते कंपटीशन के बीच कंपनियां ऐसे कैडिडेट्स की तलाश करती हैं जिनके पास अतिरिक्त स्किल्स भी हों. अच्छी बात यह है कि अब इंटरनेट की मदद से घर बैठे नई-नई स्किल्स सीखी जा सकती हैं. यदि आप अपनी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाना चाहते हैं या करियर में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो इन स्किल्स को सीखना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. सबसे खास बात ये है कि ये सभी स्किल्स आप घर बैठे ऑनलाइन सीख सकते हैं. कुछ स्किल्स के लिए फ्री ऑनलाइन कोर्सेज भी मिल जाएंगे और कुछ के लिए आपको फीस देनी होगी.

कोडिंग



कोडिंग सिर्फ आईटी प्रोफेशनल्स के लिए ही जरूरी नहीं है. इसकी बेसिक जानकारी होने से वेबसाइट, ऐप और डिजिटल प्रोजेक्ट्स को बेहतर तरीके से समझने और मैनेज करने में मदद मिलती है.

एक्सेल स्किल्स

आज लगभग हर कंपनी डेटा को संभालने और उसका विश्लेषण करने के लिए एक्सेल का इस्तेमाल करती है. बेसिक फॉर्मूला और डेटा मैनेजमेंट सीखकर आप कई क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता बढ़ा सकते हैं.

नई भाषा सीखें

एक अतिरिक्त भाषा सीखना आपके करियर के नए रास्ते खोल सकता है. इससे मल्टीनेशनल कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय अवसरों तक पहुंच आसान हो जाती है.

एडोब फोटोशॉप

फोटो एडिटिंग और डिजाइनिंग की जानकारी मार्केटिंग, मीडिया और कंटेंट इंडस्ट्री में काफी काम आती है. फोटोशॉप सीखकर आप कई क्रिएटिव रोल्स के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं.

फोटोग्राफी



अच्छी फोटोग्राफी स्किल्स ई-कॉमर्स, मीडिया और मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में क्रिएटिविटी लाती है. यह एक उपयोगी और रचनात्मक कौशल है.

लेखन कौशल

स्पष्ट और प्रभावी तरीके से अपनी बात लिख पाना हर फील्ड में जरूरी है. अच्छी लेखन क्षमता आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है.

चैटबॉट डेवलपमेंट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के बीच चैटबॉट बनाना एक उभरती हुई स्किल है. आज कई प्लेटफॉर्म बिना कोडिंग के भी चैटबॉट बनाना सिखाते हैं.

सर्व इंजन ऑप्टिमाइजेशन

स्थिर की मदद से वेबसाइट और कंटेंट को गूगल जैसे सर्व इंजन में बेहतर रैंक दिलाई जाती है. डिजिटल मार्केटिंग में यह सबसे ज्यादा मांग वाली स्किल्स में से एक है.

बजटिंग

बजट बनाना और फाइनेंशियल योजना तैयार करना पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों जीवन में उपयोगी है. मैनेजमेंट से जुड़े रोल में यह स्किल्स विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है.

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट

यदि आप फ्यूचर में लीडरशिप की भूमिका निभाना चाहते हैं तो प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सीखना जरूरी है. इससे टीम, समय और संसाधनों का बेहतर मैनेजमेंट करना आसान होता है.

पब्लिक

स्पीकिंग

आत्मविश्वास के साथ लोगों के सामने बोलने की क्षमता हर पेशे में काम आती है. ये स्किल आपकी प्रजेंटेशन और लीडरशिप स्किल्स को मजबूत बनाता है.

ग्राफिक डिजाइन

लोगो, पोस्टर, बैनर और सोशल मीडिया क्रिएटिव तैयार करने की कला आज के डिजिटल दौर में काफी मांग में है.

सोशल मीडिया मार्केटिंग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर ब्रांड और बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए एक्सपर्ट की मांग लगातार बढ़ रही है. यह स्किल फ्रीलांसिंग के अवसर भी प्रदान करती है.



सिर्फ डिग्री के भरोसे नौकरी पाना आज के समय में मुश्किल होता जा रहा है. ऐसे में हर फील्ड के युवा को कुछ एक्सट्रा स्किल सिखने की जरूरत है. करियर के ग्रोथ और अच्छी सैलरी के लिए ये बहुत जरूरी है. यहां हम आपको 15 ऐसे स्किल बताने जा रहे हैं, जिन्हें सिखने के बाद आपके सामने नौकरी के अवसर खुलेंगे.

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस

डेटा स्टोर, रिपोर्टिंग और विश्लेषण के लिए इस्तेमाल होने वाला यह टूल अकाउंटिंग, बिजनेस एनालिसिस और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में उपयोगी है.

यूएक्स डिजाइन और वीडियो प्रोडक्शन

यूएक्स डिजाइन उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित होता है, जबकि वीडियो प्रोडक्शन आज के डिजिटल कंटेंट युग की सबसे लोकप्रिय स्किल्स में से एक है. वीडियो कंटेंट की बढ़ती मांग के कारण इस फील्ड में करियर के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं.



गूगल को दोस्त बनाना और सीनियर से सवाल करना इंटरनीशिप कर रहें तो अपनाएं ये आदतें

कॉलेज से निकलकर जब युवा पहली बार नौकरी शुरू करते हैं तो ऑफिस का माहौल उनके लिए बिल्कुल नया होता है. नए काम, नई जिम्मेदारियां और नए लोगों के बीच खुद को ढालना आसान नहीं होता. शुरुआत में गलतियां होना या कुछ चीजें समझने में समय लगना बिल्कुल सामान्य है. ऐसे में अगर आप सीखने की इच्छा रखें और प्रोफेशनल तरीके से काम करें, तो करियर में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं. कुछ चीजें हैं जो इंटर्नस को जरूर करना चाहिए, कुछ चीजें नहीं. एक्सपर्ट कहते हैं उन्हें सवाल पूछने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए. माइक्रोसॉफ्ट में इंजीनियर के रूप में काम करने वाली प्रियंका ने इंटरनिशिप पीरियड के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं इसे लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है.

सवाल पूछने में न हिचकिचाएं

नई नौकरी में हर चीज पहले दिन से समझ आ जाए, ऐसा जरूरी नहीं है. किसी काम को लेकर कंप्यूजन हो तो अनुमान लगाने के बजाय सीनियर या टीम के मेंबर से सवाल पूछें. सही सवाल पूछने से न सिर्फ काम बेहतर होगा, बल्कि आपकी सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी.

काम की क्वालिटी पर ध्यान दें

ऑफिस में सिर्फ काम जल्दी पूरा करना ही जरूरी नहीं है. कोशिश करें कि जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे सही तरीके से पूरा करें. काम जमा करने से पहले एक बार उसे जरूर चेक करें, ताकि छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधारा जा सके. एक्सपर्ट ने सलाह दी कि हर एक चीज को लिखित में रखें. इससे आप मीटिंग में भी ये दिखा पाएंगे कि आपने कहां तक काम किया है और कितना काम बाकी है.

फीडबैक लेते रहें

अपने काम पर सीनियर से फीडबैक लेना करियर ग्रोथ के लिए काफी जरूरी है. सीनियर से पूछें कि आपके काम में क्या बेहतर किया जा सकता है. मिले हुए फीडबैक को सिर्फ सुनें नहीं, बल्कि अगले असाइनमेंट में उसे लागू करने की कोशिश करें.

डेडलाइन का ध्यान रखें

समय की पाबंदी हर प्रोफेशनल के लिए जरूरी है. ऑफिस, मीटिंग या किसी जरूरी काम के लिए तय समय से पहले या समय पर पहुंचने की आदत डालें. इससे आपके प्रति टीम में भरोसा बढ़ता है और आपकी प्रोफेशनल इमेज भी बेहतर होती

है. एक्सपर्ट ने कहा कि सिर्फ समय का ही ध्यान नहीं रखें बल्कि जिस भी प्रोजेक्ट पर आप काम कर रहे हैं, उसमें भी डेडलाइन का ध्यान रखें. डेडलाइन बहुत जरूरी है.

नेटवर्किंग पर ध्यान दें

ऑफिस में सिर्फ अपने काम तक सीमित रहने के बजाय टीम के मेंबर के साथ अच्छा रिलेशन बनाएं. जरूरत पड़ने पर दूसरों की मदद करें और उनकी बात भी ध्यान से सुनें. अच्छी नेटवर्किंग आगे चलकर आपके करियर में काम आ सकती है.

नई जिम्मेदारी लेने से पीछे न हटें

अगर कोई नया काम सीखने का मौका मिले तो उसे चुनौती के तौर पर लें. शुरुआत में काम मुश्किल लग सकता है, लेकिन नई जिम्मेदारियां लेने से आपकी स्किल्स और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं. हालांकि, जिम्मेदारी लेने के साथ यह भी जरूरी है कि काम को सही तरीके से पूरा करने के लिए आवश्यक मदद और समय मांगा जाए.

छोटी आदतें बनाएंगी बड़ी पहचान

पहली नौकरी में हर किसी से परफेक्ट होने की उम्मीद नहीं की जाती. सबसे जरूरी है कि आप सीखने के लिए तैयार रहें, अपनी गलतियों से सीखें और प्रोफेशनल व्यवहार बनाए रखें. सवाल पूछना, फीडबैक लेना, समय की कद्र करना और नई जिम्मेदारियां स्वीकार करना जैसी छोटी आदतें लंबे समय में आपके करियर को मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं.

संक्षिप्त

समाचार

ईशानकिशानन्यूजीलैंडके खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, ‘ ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एंडिवर स्ट्रैन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।’ ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रही सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ‘ वर्ल्ड स्टेज पर जसी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूं। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं जितनी भर संभालकर रखूंगी।’ उन्होंने लिखा, ‘ मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और स्पोर्ट्सटाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।’

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एवरेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा। थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की

किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था।

हरविंदर सिंह और विजय सुंड़ी ने पैरा आर्चरी मेन्स रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था।

सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिताब जीतने के लिए काफी थी।

टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एंडी बर्नार्ड 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया, ब्रूक की पारी गई बेकार

रावलपिंडी। श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नानायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शानका और जनिथ लियानागे की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।

श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़ा- श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ



गुवाहटी में खेले गए मुकाबले में 406 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था जो वनडे का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। लेकिन श्रीलंका ने इस मामले में भारत को पीछे छोड़ा और 50 ओवर के प्रारूप का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर लिया।

श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी रही

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नानायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नानायके ने दासुन शानका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज ‘दोहरा शतक’

सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज ‘दोहरा शतक’ लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

‘हम अपनी गलती जानते हैं’: हैरी ब्रूक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, ‘यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमों बहुत बढ़िया थीं। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।’ उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।

ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व में बड़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर क्रिकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सितीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग



लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे। 2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

सिलिकॉन वैली स्ववैश

अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, ‘मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलेते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।’

अनाहत ने कहा, ‘एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।’ स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ‘गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं

आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं।’ अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्ववैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्ववैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई। 2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते



रेडवुड सिटी। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हाथी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्ववैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक

वीटा मिल्क बूथों के आवंटन के लिए 23 नवंबर तक मांगे गए आवेदन, युवाओं और महिलाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार प्रदेश के नागरिकों को स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने तथा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में ‘द हिसार-जींद को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर यूनियन लिमिटेड’ (वीटा) द्वारा हिसार जिले में विभिन्न निर्धारित स्थानों पर वीटा मिल्क बूथों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए इन मिल्क बूथों के आवंटन में विशेष आरक्षण व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत शारीरिक रूप से दिव्यांगजनों, महिलाओं व युद्ध विधवाओं, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति , दुग्ध उत्पादकों के आश्रितों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा रक्षा बलों के पूर्व सैनिकों के लिए अलग-अलग स्थानों पर बूथ आरक्षित किए गए हैं, जबकि कुछ स्थानों को सामान्य वर्ग के लिए भी रखा गया है। यह पहल न केवल स्थानीय निवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराएगी, बल्कि युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

सरकारी प्रवक्ता ने आगे बताया कि इच्छुक आवेदक 500 रुपये का आवेदन शुल्क, निर्धारित सुरुक्षा राशि (5000 रुपये) तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन ‘द हिसार-जींद को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड’ के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। आवेदन पत्र, नियम एवं शर्तें और बूथ आवंटन की विस्तृत जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.vita-haryana.gov.in तथा दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके प्राप्त की जा सकती है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर 2026 शाम 5:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

अंबाला सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी (दिशा) की बैठक हुई आयोजित

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। अंबाला लोकसभा सांसद व जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति पंचकूला (दिशा) के अध्यक्ष श्री वरूण चौधरी की अध्यक्षता में लोक निर्माण विश्राम गृह सेक्टर-1 में दिशा की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जनता तक लाभ पहुंचाना सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, कालका विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, पंचकूला महापौर श्याम लाल बंसल और अतिरिक्त उपायुक्त श्री विवेक आर्या उपस्थित रहे।

बैठक में जिला में हो रहे विकास कार्यों के संबंध में लगभग 90 विषयों पर विस्तार से चर्चा व समीक्षा की गई व फीडबैक लिया। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपील की कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही व पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। संबंधित अधिकारी तय समय सीमा में कार्य को पूरा करें, जिससे कि जिला की जनता को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

सांसद श्री चौधरी ने नागरिक अस्पताल में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के बारे में विस्तार से फीडबैक लिया और सिविल सर्जन को जनऔषधी केंद्र में उदाईयों की बिक्री बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनऔषधी केंद्रों की संबंधित अधिकारियों को सैप्लिंग करने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने अस्पताल में शौचालयों की नियमित साफ सफाई करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में पेयजल, शौचालयों की साफ सफाई को भी समय रहते उरुस्त किया जाए ताकि मरीजों को कोई असुविधा न हो।

दीपावाली पर्व के मद्देनजर मिठाई विक्रेता मिलावटी सामान बेचने से बचे व खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता वाला सामान ही लोगों को दे

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपात शर्मा ने बताया कि दीपावाली पंचकूला का बड़ा पर्व है। पूरे प्रदेश में भूमधाम से दीपावाली पर्व मनाया जाता है। इस दिन लोग मिठाई, मावा, पनीर, देसी घी व अन्य खाद्य सामग्रियों का बहुतायत खरीदते है। उन्होंने बताया कि इस पर्व के मद्देनजर सभी मिठाई विक्रेता व खाद्य पदार्थ विक्रेता नकली सामान के विक्रय से बचे।

उपायुक्त ने मिठाई और खाद्य प्रतिष्ठानों के चिकित्ताओं को सचेत करते हुए कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी या मिलावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी विक्रेता नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अधिकारियों की टीम स्वीट्स शॉप्स और रेस्टोरेंट्स के साथ-साथ अन्य मिठाई दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों का सैपल लेगी। इन निरीक्षणों के दौरान मिठाइयों, दूध से बने उत्पादों और अन्य खाद्य सामग्री मिलावट पाए जाने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डीसी ने खाद्य प्रतिष्ठान और मिठाई दुकान संचालकों को जागरूक करते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं। उन्होंने मिाई विक्रेताओं को निर्देश दिए कि वे मांग के अनुसार ही मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ बे्यार करें तथा इन्हें लंबे समय तक स्टोर न करें। उन्होंने कहा कि मिठाइयों के निर्माण के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए और स्टायक द्वारा दस्ताने, कैप आदि का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाए।

राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

सोलन – स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सोलन द्वारा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, सेंट्रस्क, सोलन में राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में लोगों को आयोडीन के महत्व, शरीर के शारीरिक एवं मानसिक विकास में इसकी भूमिका तथा आयोडीन की कमी से होने वाले विभिन्न विकारों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की हेल्थ एजुकेटर पद्मिनी नेगी एवं बीसीसी समन्वयक राधा चौहान ने उपस्थित प्रतिभागियों को आयोडीन के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने अवगत करवाया कि जिस प्रकार शरीर के समुचित विकास एवं स्वस्थ जीवन के लिए अन्य पोषक तत्व आवश्यक हैं, उसी प्रकार आयोडीन भी एक आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है। यह थायराइड ग्रंथि के सामान्य कार्य, शरीर की वृद्धि, मस्तिष्क के विकास तथा चयापचय की प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की पर्याप्त मात्रा गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र के सामान्य विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। गर्भावस्था में आयोडीन की गंभीर कमी होने से गर्भपात, मृत शिशु का जन्म तथा बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक विकास में गंभीर बाधाएं उत्पन्न होने का खतरा बढ़ सकता है। बचपन में आयोडीन की कमी से सीखने की क्षमता एवं बौद्धिक विकास भी प्रभावित हो सकता है।

शरीर में आयोडीन की कमी से घेंघा रोग (ज्वजजतम) हो सकता है। इस स्थिति में थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ जाता है, जिसके कारण गर्दन के अगले हिस्से में सूजन या गांठ जैसी दिवाइ दे सकती है। आयोडीन की कमी से थायराइड हार्मोन का उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाबसंत रविदास के विचारों को जीवन में उतारें युवा, भेदभाव के विरुद्ध खड़े होकर समानता और मानवता का संदेश दें: राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने युवाओं का आह्वान किया कि वे संत रविदास के विचारों को केवल पुस्तकों और पाठ्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि अपने जीवन और व्यवहार का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि जहां किसी के साथ भेदभाव हो, वहां समानता के पक्ष में खड़े हों; जहां किसी को सहायता की आवश्यकता हो, वहां सहयोग के लिए आगे आएँ और जहां किसी को अवसर न मिल रहा हो, वहां उसके लिए अवसर उपलब्ध करने का प्रयास करें। यही संत रविदास के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राज्यपाल आज पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में ‘संत रविदास: परम्परा, परिवर्तन और प्रतिरोध की चेतना’ विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्वानों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के साथ संत रविदास के विचारों, सामाजिक दर्शन तथा समतामूलक समाज की अवधारणा पर अपने विचार साझा किए।



प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि संत रविदास की ‘बेगमपुर’ की परिकल्पना भय, भेदभाव और अन्याय से मुक्त ऐसे समाज का संदेश देती है, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर प्राप्त हों। आज आवश्यकता है कि इसी भावना के अनुरूप ऐसे भारत का निर्माण किया जाए, जहां प्रत्येक बच्चे को शिक्षा मिले, प्रत्येक युवा को अपनी प्रतिभा के

अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो, महिलाओं को समान अवसर मिलें और प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सके। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

राज्यपाल ने कहा कि सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में संवाद के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं। इनका उपयोग

सीएम विंडो और जनसंवाद शिकायतों का समय पर हो निपटान- भोपाल सिंह खदरी

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी श्री भोपाल सिंह खदरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम विंडो और जनसंवाद पोर्टल पर प्राप्त होने वाली सभी समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निपटान सुनिश्चित किया जाए। समस्याओं के समाधान के उपरत इसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) तुरंत ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि नागरिकों को उनकी समस्याओं के निराकरण का वास्तविक लाभ मिल सके।

श्री खदरी शुक्रवार को हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में गृह विभाग, पुलिस विभाग, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन, वक्फ बोर्ड, तकनीकी शिक्षा तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सहित कई प्रमुख विभागों से संबंधित सीएम विंडो और जनसंवाद की शिकायतों की गहन समीक्षा की गई।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के ग्रामीण व शहरी राशन डिपो संचालकों को पेडिंग कमिशन को जल्द दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों के निर्देश दिए कि कालेजों के एससी



व बीसी विद्यार्थियों को समय पर स्कोलरशिप दी जाए।

बैठक के दौरान श्री खदरी ने वक्फ बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में जहां-जहां पर वक्फ बोर्ड की जमीनों पर अवैध कब्जों की शिकायतें हैं, उनको एक सप्ताह के भीतर इस संबंध में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसके अतिरिक्त, जेल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जेल से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता से निवारण किया जाए और प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार लाया जाए। साथ ही, कर्मचारियों की सरकार स्तर पर लंबित शिकायतों का भी समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए गए।

श्री खदरी ने अधिकारियों को चेताया कि मुख्यमंत्री स्वयं सीएम विंडो और जनसंवाद की शिकायतों की नियमित रूप से समीक्षा कर रहे हैं।

'मेरा पानी मेरी विरासत' योजना से जल संरक्षण और फसल विविधीकरण को मिल रहा बढ़ावा : कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने राज्य में भूजल के गिरते स्तर को रोकने, मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बनाए रखने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने के लिए फसल विविधीकरण और जल संरक्षण को एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीति बताया है। उन्होंने कहा कि लगातार धान और गन्ने जैसी अधिक पानी की खपत वाली मोनोकल्चर फसलों से इतर कम पानी वाली फसलों की ओर बढ़ना पानी की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में कृषि को दीर्घकालिक स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। पानी जैसे बहुमूल्य और महंगे प्राकृतिक संसाधन के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई ‘मेरा पानी मेरी विरासत’ योजना एक अनोखी पहल है, जिसके तहत धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती करने वाले किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। वहीं वर्तमान में, यदि कोई किसान पिछले 4 वर्षों के दौरान धान की खेती कर रहा था और अब वह धान छोड़कर अन्य फसलों—जैसे कि अनाज-मक्का, खरीफ दलहन (मूंग, अहर/तूर, उड़द, मठ), खरीफ तिलहन (मूंगफली, तिल, अरंडी), रेशदार फसलें (कपास), खरीफ सब्जियां (प्याज), बगवाना, चारा फसलें और कृषि-वानिकी (यूकैलिप्टस और स्प्रैसी) —की खेती करता है, या फिर भूगर्भ को खाली (परी) भी छोड़ता है, तो उसे 8,000 रुपये प्रति एकड़ का लाभ दिया जा रहा है।

आईआईएसईआर मोहाली में गुजरात के 47 विद्यार्थियों का स्वागत, युवा संगम के तहत पंजाब की संस्कृति और विरासत से होंगे रूबरू

मोहाली: द डॅड्डेन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) (आईआईएसईआर), मोहाली ने शुक्रवार को युवा संगम के सार्वत्र चरण के तहत गुजरात से आए 47 विद्यार्थियों का अपने परिसर में स्वागत किया।केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ कार्यक्रम के तहत आयोजित इस पहल का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और उपलब्धियों से परिचित कराना है।

गुजरात से आए विद्यार्थियों का पारंपरिक पंजाबी अंजुज में स्वागत किया गया। ढोल की रून और भांगड़ा की सगाँरा प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साह से भर दिया। इस दौरान विद्यार्थियों को पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और यहां की मेहमाननवाजी की झलक देखने को मिली।

आईआईएसईआर मोहाली के निदेशक प्रो. अर्निल के. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने, विभिन्न संस्कृतियों को समझने और



देश के अलग-अलग हिस्सों के युवाओं के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय के नॉर्थ रीजन साइंस एंड टेक्नोलॉजी क्वास्टर की सलाहकार डॉ. जॉर्जिंद कौर अरोड़ा मुख्य

अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता श्री ओजस्वी शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

डॉ. जॉर्जिंद कौर अरोड़ा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को देश की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति से जोड़ने के साथ-साथ उनके ज्ञान और दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में मदद करते हैं। वहीं, ओजस्वी शर्मा ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कहानियों के माध्यम से लोगों को जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की परंपराओं, इतिहास और जीवशैली को करीब से जानने से युवाओं में देश की विविधता के प्रति समझ और सम्मान बढ़ता है।

चंडीगढ़ की एमएलए हॉस्टल डिस्पेंसरी को मिले 1.20 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण,डॉ. सुमिता मिश्रा ने किया उद्घाटन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित एमएलए हॉस्टल डिस्पेंसरी में 1.20 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का उद्घाटन किया। इन उपकरणों के शुरू होने से डिस्पेंसरी में मरीजों को अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे ट्राइसटी के नागरिकों, दो राज्यों के विधायकों तथा सरकारी कर्मचारियों को एक ही स्थान पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

एमएलए हॉस्टल डिस्पेंसरी में इन नई सुविधाओं के शुरू होने से मरीजों को सामान्य जांच के लिए



समाज को जोड़ने, आपसी समझ बढ़ाने और सकारात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करने के लिए। विचारों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से आह्वान किया कि संत रविदास पर आयोजित संगोष्ठियां और अन्य अकादमिक गतिविधियां केवल एक दिन तक सीमित न रहें। उनके साहित्य, दर्शन और सामाजिक चिंतन पर निरंतर शोध हो, विद्यार्थियों के बीच सार्थक संवाद आयोजित किए जाएं और उनके विचार कक्षाओं से निकलकर समाज तक पहुंचें। संत रविदास की प्रसिद्ध उक्ति ‘मन चंगा तो कठौती में गंगा’ का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति के भीतर से होती है। यदि हमारी सोच में समानता, व्यवहार में सम्मान और हृदय में मानवता होगी, तो हम अपने परिवार से लेकर पूरे समाज तक सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

सीआईएसएफ का ऐतिहासिक पुनर्गठन, देश के संवेदनशील इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मिलेगी नई धार

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। देश के अति संवेदनशील और रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को और अभेद्य बनाने के लिए केंद्रीय ओद्योगिक सुरक्षा बल अपनी प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव करने जा रहा है। गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद यह नया ढांचा 1 नवंबर 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएगा।

इस पुर्नगठन का मुख्य उद्देश्य सीआईएसएफ की कमान और निगरानी व्यवस्था को अलग-अलग बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, बंदरगाह, सरकारी इमारतों, संग्रहालय, स्मारक और मेट्रो जैसे सेक्टर की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से ढालना है। इससे सुरक्षा तंत्र में विशेषज्ञता आएगी, संचालन, पिछले 25 वर्षों में सीआईएसएफ ने कुछ खास क्षेत्रों जैसे एविएशन (हवाई अड्डों), परमाणु ऊर्जा

मामलों में प्रवर्तन कार्रवाई, अभियोजन को मजबूत करने, वित्तीय जांच और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास से संबंधित उपायों की समीक्षा को। बैठक में राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण बोर्ड केपु 2026-29 के तहत विभिन्न विभागों की कार्रवाई तथा पिछली राज्य स्तरीय बैठक में लिए गए निर्णयों पर हुई प्रगति की भी समीक्षा

हरीयाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री संजय कुमार ने बताया कि जनवरी से सितंबर 2026 के दौरान अटैच की गई संपत्तियों का मूल्य पिछले वर्ष की इसी अवधि के 5.92 करोड़ रुपये से बढ़कर 19.52 करोड़ रुपये हो गया है। इसमें लगभग 230 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। संपत्ति अटैच किए जाने

आंगनवाड़ी केंद्रों में खेल-खेल में सीखेंगे बच्चे, मजबूत होगी शिक्षा की नींव : श्रुति चौधरी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्ष उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को खेल-खेल में सीखने के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, ताकि उनकी मजबूत नींव रखकर उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

उन्होंने कहा कि ‘आगे बढ़े बचपन’ की अवधारणा के तहत बच्चों को उनकी आयु और सीखने की क्षमता के अनुरूप रोचक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने, पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों में शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) उपलब्ध करवाई गई है, जिससे बच्चे खेल, बातचीत और का विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सहजता से नई बातें सीख सकें।

श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि खेल-आधारित शिक्षण से बच्चों के भाषा और संवाद कौशल में सुधार होता है। बच्चे सुनने, बोलने, अपने विचार व्यक्त करने और दूसरों की बात समझने की क्षमता



विकसित करते हैं। इसके साथ ही उनकी सोचने-समझने, याद रखने, तर्क करने तथा समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता भी मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि रंगों, आकारों, गिनती, वर्गीकरण और दैनिक जीवन से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को नए कौशल सीखने का अवसर मिलता है। समूह में खेलना और गतिविधियों में भाग लेना उन्हें मिल-जुलकर रहने, अपनी बारी की प्रतीक्षा करने, दूसरों के साथ सहयोग करने तथा सामाजिक व्यवहार सीखने में मदद करता है। ऐसी गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन और स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता को भी बढ़ावा देती हैं।

के साथ तालमेल और मजबूत होगा।

क्षेत्रीय कमान से कार्यात्मक विशेषज्ञता की ओर

सीआईएसएफ वर्तमान में हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष केंद्रों, पावर प्लांट्स, स्टील प्लांट्स, कोयला खदानों, पेट्रोलियम रिफाइनरियों, नोट छापने वाली प्रेसों, सरकारी इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों और मेट्रो जैसी अलग-अलग तरह की संपत्तियों की सुरक्षा करता है। इसमें हर जगह काम करने की प्रक्रिया, बुनियादी ढांचा, संभावित खतरे और सुरक्षा की चुनौतियां बिल्कुल अलग होती हैं।

पहले सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से इलाके के आधार पर तय होती थी। हालांकि, पिछले 25 वर्षों में सीआईएसएफ ने कुछ खास क्षेत्रों जैसे एविएशन (हवाई अड्डों), परमाणु ऊर्जा

और अंतरिक्ष विभाग में काम के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था लागू की थी। इन क्षेत्रों से मिले अनुभव ने यह साबित किया कि अगर एक तरह के काम वाले प्रतिष्ठानों जैसे सभी एयरपोर्ट्स की निगरानी एक ही कमान के तहत हो, तो वहां के जवानों की ट्रेनिंग बेहतर होती है, सुरक्षा के नियम ज्यादा सटीक बनते हैं और प्रबंधन के साथ तालमेल शानदार रहता है। इसी सफलता को देखते हुए, सीआईएसएफ ने लंबी चर्चाओं और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद अब अपने बाकी बचे सभी क्षेत्रीय सेक्टर्स को भी काम के आधार पर पुनर्गठित कर दिया है।

नए ढांचे के तहत मौजूदा क्षेत्रीय सेक्टर्स में सरकारी भवन, संग्रहालय, स्मारक और एमआरटीएस सेक्टर, मौजूदा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सेक्टर की अब पुनर्गठित कर नई दिल्ली मुख्यालय को यह जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

नशीले पदार्थों की बरामदगी में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। हेरोइन की बरामदगी 43.176 किलोग्राम से लगभग दोगुनी होकर 84.695 किलोग्राम हो गई, जबकि अफीम की बरामदगी 235.550 किलोग्राम से बढ़कर 430.300 किलोग्राम हो गई। कोकीन की बरामदगी 194.47 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 2.96 किलोग्राम और एमडी/एमडीएम से बढ़कर 235.51 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 1.76

भूजल-निष्कर्षण के नियमितीकरण के लिए लेट फीस में मिली 30 नवंबर 2026 तक छूट

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने राज्य में भूजल संसाधनों के संरक्षण, विनियमन और बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ‘हरियाणा जल संसाधन (संरक्षण, विनियमन और प्रबंधन) प्राधिकरण’ (HWRA) ने जनहित में एक बड़ा फैसला लिया है। प्राधिकरण द्वारा उद्योगों, बुनियादी ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और खनन परियोजनाओं के लिए भूजल निष्कर्षण के नियमितीकरण को सुगम बनाने हेतु विलंब शुल्क (लैट फीस) में 30 नवंबर, 2026 तक विशेष छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण अधिनियम, 2020 के तहत गठित यह प्राधिकरण प्रदेश में भूजल और सतही जल के उपयोग की निगरानी और विनियमन का कार्य कर रहा है। नियम अनुसार, राज्य में किसी भी औद्योगिक, अवसरचनात्मक या खनन परियोजना के लिए भूजल का उपयोग करने से पहले प्राधिकरण से एनओसी (अनापति प्रमाण पत्र) प्राप्त करना अनिवार्य है। विभिन्न हितधारकों और उद्योगपतियों की सहूलियत तथा उन्हें नियमों के अनुपालन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ही लैट फीस में राहत की यह समय-सीमा दी गई है।

दूसरे स्वास्थ्य संस्थाओं में जाने और मशीनों की अनुपलब्धता के कारण इंतजार करने की आवश्यकता कम होगी। अब यहां 4डी अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, भ्रूण के हृदय की जांच, डिजिटल एक्स-रे, आधुनिक फिजियोथेरेपी और ईसीजी जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। डिस्पेंसरी में 77.15 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड कलर डॉप्लर सिस्टम स्थापित किया गया है। यह मशीन 4डी इमेजिंग, फोटेड इकोकार्डियोग्राफी तथा लिवर, स्तन और थायराइड से संबंधित स्थितियों की जांच के लिए उन्नत इलास्टोग्राफी जैसी सुविधाओं से लैस है। यह प्रणाली प्रति सेकंड 1,500 फ्रेम तक इमेजिंग करने और 40 सेंटीमीटर तक की गहराई में जांच करने में सक्षम है। इस मशीन

में सुई की स्थिति को स्पष्ट रूप से देखने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध है, जिससे चिकित्सकों को विभिन्न प्रक्रियाओं के दौरान अर्बिक सटीक मार्गदर्शन मिल सकेगा। इसमें एक लाख तक की डिजिटल इमेज सूरक्षित रखने की क्षमता है। इसके अतिरिक्त, डीआईवीओएम और एचआईएस/आरआईएस कर्नेक्टिविटी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुविधाएं जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में सहयक होंगी। इस सुविधा से गर्भवती महिलाओं, हृदय संबंधी जांच की आवश्यकता वाले मरीजों तथा पेट और शरीर के कोमल अंगों से जुड़ी समस्याओं से ग्रस्त पीड़ित लोगों को लाभ मिलेगा। इससे कई मामलों में मरीजों को उन्नत जांच के लिए बड़े अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम हो सकेगी।